हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 | www.prakharpurvanchal.com | Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 157, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 7 दिसम्बर, 2023 दिन गुरुवार | गाजीपुर/वाराणसी

डॉ. आंबेडकर पर शोध करने वाले छात्रों को दी जाएगी छात्रवृत्ति : योगी

बाबा साहब के परिनिर्वाण दिवस पर मुख्यमंत्री योगी ने किया एलान

लखनऊ। डॉ भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनके अस्थिकलश स्थल का जायजा लिया और उनकी प्रतिमा पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर उन्होंने एलान किया निमार्णाधीन आंबेडकर स्मारक में शोध करने वाले छात्रों को प्रदेश सरकार की तरफ से छात्रवृत्ति दी जाएगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश वासियों की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। बाबा साहब ने कहा था कि हम सबसे पहले और अंत में भारतीय हैं। जो लोग भारत को कोसते हैं वह बाबा साहब का भी अपमान करते हैं। दुनिया में जब भी दबे-कुचले समाज के उत्थान की बात आती है तो बाबा साहब का नाम याद आता है। हमने समाज को जाति के आधार पर नहीं बांटा बल्कि गरीब, दलित, कमजोर वर्ग के विकास पर ध्यान दिया। हर गरीब और वंचित को प्रधानमंत्री आवास और शौचालय की सुविधा का लाभ मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि यूपी में सपा की सरकार चेहरा देखकर लाभ देती थी।

दलितों और गरीबों के नाम पर राजनीतिक रोटी सेकी जाती थी लेकिन करते कुछ नहीं थे। मोदी सरकार ने बाबा साहब के सपनों को साकार किया है। जो लोग भारत विरोधी गतिविधियां चला रहे हैं वह बाबा साहब का अपमान करते हैं। यह सरकार हर गरीब और दलित के साथ खड़ी है।

हर गरीब और दलित को आवास और राशन कार्ड की सुविधा दी गई है- मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि बाबा साहब की प्रेरणा से हर गरीब और दलित को आवास और राशन कार्ड की सुविधा दी गई है। किसी प्रकार का छुआछूत नहीं हो इस मिशन पर काम कर रहे हैं। प्रत्येक गरीब को आवास दिलाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। श्रमिकों के बच्चों के लिए कॉन्वेंट स्कूल की तर्ज पर अटल आवासीय विद्यालय बनाया गया है। हर जिले में परिनिर्वाण दिवस के कार्यक्रम हो रहे है। बाबा साहब के संकल्प से लोगों को जोड़ रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि आधुनिक भारत के निर्माण में अविस्मरणीय योगदान देने वाले बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर का पूरा जीवन लोकतंत्र की जीवंत पाठशाला है। संविधान शिल्पी, 'भारत रत्न' बाबा साहब का हर कार्य, हर निर्णय 'अंत्योदय' को समर्पित था। ऐसे हुतात्मा को उनके महापरिनिर्वाण दिवस पर विनम्र श्रद्धांजलि! आधुनिक भारत के निर्माण में अविस्मरणीय योगदान देने वाले बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर का पूरा जीवन लोकतंत्र की जीवंत पाठशाला है।

आंबेडकर महासभा दलितों की लाइफ लाइन है- इस मौके पर उनके साथ उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, समाज कल्याण राज्यमंत्री स्वतन्त्र प्रभार असीम अरुण और आंबेडकर महासभा के लालजी निर्मल भी मौजूद थे। लालजी निर्मल ने कहा कि आज पूरी दुनिया में डॉ. आंबेडकर का परिनिर्वाण दिवस मनाया जा रहा है। महासभा भी 32 साल से आयोजन कर रही है। महासभा दलितों की लाइफ लाइन है। महासभा के मंच से ही पिछड़े वर्गों को 27 प्रतिशत आरक्षण की घोषणा की गई थी। इसी मंच से हरिजन शब्द प्रतिबंधित किया गया था। कुशीनगर में डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा लगनी थी लेकिन अखिलेश यादव ने उसे ठंडे बस्ते में डाल दिया।

'दोनों शूटर्स की हुई पहचान, रोहित राठौड़ और नितिन फौजी पर लाखों का इनाम

जयपुर। राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की मौत पर राजस्थान में हड़कंप मचा हुआ है। बुधवार को राजपूत समुदाय ने राजस्थान से लेकर मध्य प्रदेश तक में आगजनी और विरोध प्रदर्शन किए। बता दें कि मंगलवार को तीन बदमाशों ने सुखदेव सिंह गोगामेड़ी और उनके सुरक्षा गार्ड पर गोलियां चलाई थी। इस घटना में दो मुख्य आरोपी की पुलिस ने पहचान कर ली है। इस मामले पर डीजीपी उमेश मिश्रा ने एसआईटी का गठन किया। पुलिस ने दो आरोपियों रोहित राठौड़ मकराना और नितिन फौजी की पहचान कर ली है। उनकी गिरफ्तारी पर 5-5 लाख रुपये के इनाम की घोषणा की गई। पुलिस ने दोनों की तस्वरें भी साझा की है। मंगलवार दोपहर स्कूटी पर आए करीब तीन बदमाश सुखदेव सिंह गोगामेड़ी से मिलने जयपुर स्थित उनके आवास पर पहुंचे। दो मुख्य आरोपयों ने सुखदेव सिंह से तकरीबन 10 मिनट तक बातचीत की। बातचीत के बाद दोनों बदमाशों ने ताबतोड़ गोलियां चला दी। इस घटना की सीसीटीवी फुटेज भी जारी की गई। गोली लगने के बाद सुखदेव सिंह गोगामेड़ी को मेट्रो मास अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

विपक्षी गठबंधन भ्रष्टाचार के दलदल में डूबे तमाम नेताओं का गैंग बनकर रह गया : केशव प्रसाद

बुलंदशहर। यूपी के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भाजपा विस्तारक प्रशिक्षण वर्ग में विस्तारकों से आगामी लोकसभा चुनाव 2024 की भाजपा की रणनीति पर चर्चा की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में विपक्षी गठबंधन या ठगबंधन। विपक्षी गठबंधन भ्रष्टाचार के दलदल में डूबे तमाम नेताओं का गैंग बनकर रह गया है। यह गठबंधन तीसरी बार नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री बनने से रोकने में कामयाब नहीं होगा। 2019 में 300 पार थे। इस बार 400 पार जाएंगे। उत्तर प्रदेश की सभी लोकसभा सीटें जीतेंगे।

खुर्जा के रॉयल रिजॉर्ट में चल रहे ब्रज, पश्चिम और कानपुर के भाजपा विस्तारक प्रशिक्षण वर्ग में शामिल होने बुधवार को पहुंचे प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सबसे पहले विस्तारकों को संबोधित किया। उन्होंने केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं को लेकर विस्तार से जानकारी दी। वहीं योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाकर आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशियों की राह आसान करने का मंत्र दिया। विस्तरकों को संबोधित करने के बाद प्रेस वार्ता के दौरान उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि लगातार उत्तर प्रदेश को सभी केंद्रीय योजनाओं को गांव गरीब किसान तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। महिला सशक्तिकरण के दृष्टिकोण से काम करने का कार्य कर रहे हैं। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बाबा आंबेडकर की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया और कहा कि आज के दिन छह दिसंबर 1992 की भी याद आती है।

इसी दिन अयोध्या में रामलला की भूमि पर बने ढांचे को ढहाया गया था। अब 22 जनवरी 2024 का सब लोग इंतजार कर रहे हैं। रामलला भव्य मंदिर निर्माण का। देश में भाजपा की लहर है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव हुए हैं। तीन राज्यों में जहां 2018 में हार गए थे। वह तीनों राज्य भाजपा ने प्रचंड बहुमत से जीते हैं। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की गारंटी का कमाल है। उनकी गारंटी को जिस प्रकार से जनता का आशीर्वाद और समर्थन मिला है। जिस प्रकार मोदी के मन में भारत है। उसी प्रकार भारत वासियों के मन में मोदी हैं।

सपा सुप्रीमो व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव कांग्रेस के लिए क्या कह रहे हैं और कांग्रेस अखिलेश के लिए क्या कह रही है। भाजपा का इससे कोई लेना-देना नहीं है। हमारी विचारधारा और नीतियां सबसे अच्छी हैं। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सरकार ने सुशासन का वादा, गरीब कल्याण का वादा, महिला सशक्तिकरण का वादा किया था, हमने अधिकांश सभी वादे पूरे करने का काम किया है।

'देश को उत्तर और दक्षिण भारत में न बांटें' पीयूष गोयल का विपक्षी पार्टियों से अनुरोध

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को विपक्षी पार्टियों से उत्तर और दक्षिण भारत के नाम से देश को नहीं बांटने का अनुरोध किया है। लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'एक राष्ट्र-एक राशन कार्ड' का विचार लेकर आए हैं, जिससे पूरे देश को पारदर्शी प्रणाली के माध्यम से सब्सिडी वाले खाद्यान्न प्रदान किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'प्रधानमंत्री ने हमेशा लोगों को एकजुट करने के लिए काम किया है, लेकिन विपक्ष देश को बांटने की कोशिश कर रही है। उनमें से कुछ उत्तर और दक्षिण भारत की बात भी करते हैं। कृपया करके देश को बांटना बंद करें।' गोयल ने द्रमुक नेता डीएनवी सेंथिल कुमार का नाम लिए बिना कहा, 'इसी सदन ने कल एक सदस्य ने बयान दिया था, क्या आप उनका समर्थन करते हैं? क्या इंडिया गठबंधन उस सदस्य के बयान का समर्थन करेंगी।' दरअसल, सेंथिल कुमार ने एक

विवादित बयान जारी किया था। मंगलवार को लोकसभा में जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक पर बहस करते हुए उन्होंने (सेंथिल कुमार) कहा, 'भाजपा केवल हिंदी बहुल राज्यों में ही चुनाव जीत सकती है, दक्षिण में नहीं।' उनके इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद उनकी आलोचना की गई। हालांकि, बाद में सेंथिल कुमार ने इसके लिए माफी भी मांगी। पीयूष गोयल ने बताया कि पीएम गरीब कल्याण योजना के तहत देश के 81.35 लोगों को मुफ्त खाद्यान्न मिल रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के अनुसार अब कोई भी व्यक्ति भूख से नहीं मरेगा। जब कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने गोयल के इस टिप्पणी की आलोचना की तो भाजपा नेता ने उनसे पूछा, 'आपको यह जानकर दर्द हो रहा है कि गरीबों को मुफ्त में खाद्यान्न मिल रहा है।' गोयल ने कांग्रेस पर अपने वादे पूरे न करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कर्नाटक के लोगों को 10 किलो खाद्यान्न मुफ्त में देने के वादे को पूरा नहीं कर पाई है। लोगों को इसका केवल आधा हिस्सा ही मिल रहा है।

विधानसभा चुनाव में जीते 10 भाजपा सांसदों ने सांसदी छोड़ी, नरेंद्र तोमर से लेकर राज्यवर्धन राठौड़ तक शामिल

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में चुनाव के बाद भाजपा ने भले ही मुख्यमंत्री को लेकर अपने पत्ते नहीं खोले हैं। लेकिन इन राज्यों में चुनाव लड़ कर जीतने वाले पार्टी के 10 सांसदों ने अपनी-अपनी सांसदी छोड़ दी है। जिन बड़े नामों ने अपनी संसद सदस्यता छोड़ी है, उनमें नरेंद्र तोमर से लेकर राज्यवर्धन राठौड़ तक के नाम शामिल हैं। जिन सांसदों ने सांसद पद छोड़ा है, उनमें मध्य प्रदेश से केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र तोमर, प्रह्लाद पटेल, राकेश सिंह, उदय प्रताप और रीति पाठक शामलि हैं। इसके अलावा छत्तीसगढ़ से अरुण साव और गोमती साई शामिल हैं। वहीं, राजस्थान से राज्यवर्धन सिंह राठौड़, दीया कुमारी और किरोड़ी लाल मीणा ने सांसद पद छोड़ा है। गौरतलब है कि भाजपा ने हिंदी पट्टी के तीन राज्यों के विधानसभा चुनाव में कई सांसदों को चुनावी मैदान में उतारा था। पार्टी ने मध्य प्रदेश और राजस्थान में सात-सात और छत्तीसगढ़ में चार मौजूदा सांसदों को टिकट दिया था। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा खुद इन सांसदों के दल को लेकर लोकसभा के अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति से मिलने पहुंचे। चुनाव जीतने वाले दो अन्य सांसद बाबा बालकनाथ और रेणुका सिंह इस दौरान नड्डा के साथ नहीं पहुंचे।

'हार के बाद ईवीएम को दोष देते हैं': कांग्रेस पर भड़के अनुराग ठाकुर, बोले- वे सिर्फ हिंदुत्व का अपमान करते हैं

नई दिल्ली। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजों में कांग्रेस को चार राज्यों में हार का सामना करना पड़ा। केवल तेलंगाना में कांग्रेस बहुमत के साथ अपनी सरकार बनाने में कामयाब रही। कांग्रेस की हार के बाद केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि हार के बाद कांग्रेस दुर्व्यवहार पर उतर आई है। अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा, 'उनकी सोच स्पष्ट है। वे देश की संस्कृति और पहचान को मिटाना चाहते हैं। कुछ लोग टुकड़े-टुकड़े गैंग के साथ खड़े हैं। लेकिन हम देश को बंटने नहीं देंगे। उनकी सोच केवल हिंदुत्व और सनातन धर्म का अपमान करना है। कांग्रेस और उनकी सहयोगी पार्टी लगातार सनातन धर्म को बदनाम करते रहते हैं।' उन्होंने तेलंगाना के नए सीएम रेवंत रेड्डी पर निशाना साधते हुए कहा, 'तेलंगाना के होने वाले सीएम ने एक बयान जारी किया

था, जिसमें उन्होंने कहा कि तेलंगाना का डीएनए बिहार के डीएनए से बेहतर है। द्रमुख नेताओं का सनातन धर्म, हिंदू और हिंदी बोलने वालों के खिलाफ जानी मानी साजिश है।' केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'दिगविजय सिंह समेत अन्य कई विपक्षी नेता ईवीएम पर सवाल उठा रहे हैं। कांग्रेस को संवैधानिक संस्थाओं पर भरोसा नहीं है। हार के बाद वह अपने हार की वजहों को नहीं देखते। वे केवल ईवीएम को दोष देते हैं। वे केवल हिंदुओं और सनातन धर्म पर निशाना साधते हैं।' बता दें कि विधानसभा चुनाव में भाजपा ने छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में जीत हासिल की थी। वहीं कांग्रेस ने तेलंगाना में और जोराम पीपुल्स मूवमेंट मिजोरम में सरकार बनाने में कामयाब रही।

मायावती बोलीं, 81 करोड़ से अधिक गरीब सरकारी अन्न के मोहताज, ये आजादी का सपना नहीं था

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर उन्होंने सोशल मीडिया साइट पर कहा कि लगभग 140 करोड़ की विशाल आबादी वाले

भारत के गरीबों, मजदूरों, दलितों, आदिवासियों, अतिपिछड़ों सहित उपेक्षित बहुजनों के मसीहा व देश के मानवतावादी समतामूलक संविधान के निमार्ता भारतरत्न परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव आंबेडकर को आज उनके परिनिर्वाण दिवस पर अपार श्रद्धा-सुमन अर्पित। उन्होंने आगे कहा कि किन्तु देश के 81 करोड़ से अधिक गरीब लोगों को पेट पालने के लिए सरकारी अन्न के मोहताज का जीवन बना देने जैसी दुर्दशा न यह आजादी का सपना था और न ही उनके लिए कल्याणकारी संविधान बनाते समय बाबा साहेब डा. भीमराव आंबेडकर ने सोचा था, यह स्थिति अति-दुःखद है। देश में रोटी-रोजी के अभाव एवं महंगाई की मार के कारण आमदनी अठन्नी भी नहीं पर खर्चा रुपया होने के कारण गरीब, मजदूर, छोटे व्यापारी, किसान, मध्यम वर्ग सहित सभी मेहनतकश समाज की हालत त्रस्त व चिन्तनीय है जबकि संविधान को सही से लागू करके उनकी हालत अब तक काफी संवर जानी चाहिए थी।

पीएम मोदी ने मिचौंग तूफान में जान गंवाने वालों के प्रति संवेदना जताई, कहा- मेरी प्रार्थनाएं आपके साथ

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को मिचौंग चक्रवात में जान गंवाने वाल लोगों के प्रति अपनी संवेदना जाहिर की। चक्रवात मिचौंग मंगलवार को दोपहर साढ़े 12 बजे से ढाई बजे के बीच 90 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार के साथ आंध प्रदेश के बापटला जिले में तट से टकराया था। इसमें दर्जनों लोगों की मौत हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर ट्वीट करके कहा, "मेरी संवेदनाएं उन लोगों के परिवारों के साथ है जिन्होंने चक्रवात मिचौंग के कारण अपने प्रियजनों को खो दिया है, खासकर तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और पुडुचेरी के लोगों के साथ है। मेरी प्रार्थनाएं इस चक्रवात में घायल या प्रभावित लोगों के साथ हैं। अधिकारी प्रभावित लोगों की सहायता के लिए जमीन पर अथक प्रयास कर रहे हैं और स्थिति पूरी तरह सामान्य होने तक अपना काम जारी रखेंगे।" मिचौंग ने आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के कई जिलों में भारी तबाही मचाई है। यहां सड़कें क्षतिग्रस्त हो गईं, नदियां-नहरें और तालाब उफान पर हैं, कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। राज्य में हजारों एकड़ फसलें डूब गई हैं। तमिलनाडु के चेन्नई और आसपास के इलाकों में सोमवार को आए मिचौंग के कारण मरने वालों की संख्या बढ़कर 17 हो गई है। इसके साथ ही मंगलवार को चेन्नई और उसके आसपास के जलभराव वाले इलाकों में फंसे लोगों को बचाने के लिए नावों और ट्रैक्टर का इस्तेमाल किया गया। चक्रवात के चलते तमिलनाडु में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इस बीच आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी ने मंगलवार को चक्रवात के कारण पैदा हुए हालात का जायजा लेने के लिए एक समीक्षा बैठक की और राहत कार्यों का जायजा लिया। मुख्यमंत्री रेड्डी ने अधिकारियों को चक्रवात प्रभावित क्षेत्रों में बिजली बहाल करने के लिए तत्काल कदम उठाने और हताहतों या मवेशियों के नुकसान को लेकर मुआवजा राशि देने का निर्देश दिया। वहीं, उन्होंने तत्काल राहत प्रयासों के लिए 22 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं।

सभी टीबी मरीजों की डायबिटीज व एचआईवी जांच कराएं, डिप्टी सीएम ने दिए निर्देश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश से टीबी को खत्म करने की दिशा में प्रदेश सरकार ने अहम कदम उठाया है। सभी टीबी मरीजों की एचआईवी और डायबिटीज की जांच कराई जाएगी। इससे टीबी मरीजों में इन बीमारियों के संक्रमण को शुरूआत में पकड़ने में मदद मिलेगी। बीमारी पर काबू पाने में भी सफलता मिलेगी। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने बुधवार को स्वास्थ्य विभाग व मेडिकल संस्थान के अधिकारियों को यह निर्देश दिए। डिप्टी सीएम ने कहा कि सभी सरकारी अस्पतालों में टीबी की जांच और इलाज मुफ्त हो रहा है। अब सभी टीबी मरीजों की डायबिटीज और एचआईवी जांच कराई जाए। उन्होंने कहा कि टीबी मरीजों में रोगों से लड़ने की शक्ति कम हो जाती है। ऐसे में दूसरी बीमारियां मरीजों को आसानी से अपना शिकार बना सकती हैं। टीबी मरीजों में एचआईवी संक्रमण और डायबिटीज का खतरा कई गुना ज्यादा रहता है। मौजूदा समय में 96 प्रतिशत टीबी रोगियों की डायबिटीज की जांच हो रही है। एचआईवी संक्रमित की भी 96 प्रतिशत जांच हो रही है। इसे अब 100 फीसदी करना है।

संपादकीय

मिजोरम में बदला रिवाज

पूर्वोत्तर के छोटे राज्य मिजोरम ने चुपके-चुपके रिवाज बदला है, जिसकी राष्ट्रीय परिदृश्य पर कम ही चर्चा हुई। राज्य गठन के बाद से एक रिवाज रहा है कि मिजो नेशनल फ्रंट और कांग्रेस जनादेश के अनुरूप सत्ता संभालते रहे हैं। लेकिन इस बार परिवर्तन यह है कि स्थानीय दलों का एक गठबंधन जोरम पीपुल्स मूवमेंट ने अपने बूते बहुमत जुटा लिया है। इस बदलाव को जनाकांक्षाओं की अभिव्यक्ति बताया जा रहा है, जो अब तक सत्ता में काबिज परंपरागत दलों को नकारने जैसा है। इस विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री जोरमथांगा चुनाव हार गये और उनकी पार्टी एमएनएफ के हिस्से में सिर्फ दस सीटें आईं। वहीं कांग्रेस भी पिछले चुनाव में जीती पांच सीटों के मुकाबले इस बार एक ही सीट बचा सकी। दूसरी तरफ भाजपा ने दो सीटें जीतने में कामयाबी पाई। उल्लेखनीय है कि मणिपुर संकट से पहले एमएनएफ एनडीए का हिस्सा था,लेकिन ईसाई बहुल मिजोरम में केंद्र के खिलाफ रुझान देखते हुए पार्टी अलग हो गई। यहां तक कि एमएनएफ सरकार के मुख्यमंत्री जोरमथांगा ने प्रधानमंत्री के साथ मंच साझा न करने तक की बात कह दी थी। शायद इन हालातों के चलते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शेष चार राज्यों में तो बार-बार चुनावी अभियानों में गए, लेकिन वे मिजोरम एक बार भी नहीं गए। बहरहाल, राज्य की बागडोर अब नये गठबंधन जोरम पीपुल मूवमेंट के सूत्रधार व मुख्यमंत्री पद के दावेदार लालदुहोमा के हाथ जाना तय है। जो एक पूर्व आईपीएस अधिकारी हैं और जनता को यह समझाने में कामयाब रहे हैं कि कांग्रेस व मिजो नेशनल फ्रंट की सरकारों ने इस पर्वतीय राज्य के जरूरी विकास की अनदेखी की। उनके गठबंधन ने यह चुनाव ढांचागत विकास की खामियों, बेरोजगारी व भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों के बूते लड़ा। वैसे तो पूर्वोत्तर राज्यों का रुझान रहा है कि वे केंद्र में सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा बन जाते हैं ताकि विकास योजनाओं के लिये पर्याप्त धन जुटा सकें। भाजपा भी कह रही है कि वह नई बनने वाली सरकार का हिस्सा होगी। लेकिन मणिपुर संकट के उपजे हालात के चलते ऐसा करना लालदुहोमा के लिये आसान भी नहीं होगा। बहरहाल, ये बदलाव इस पूर्वोत्तर राज्य के लिये एक नई सुबह का भी संकेत है। सत्ता विरोधी लहर में एमएनएफ महज दस सीटों पर सिमट कर रह गई। इस लहर ने मुख्यमंत्री जोरमथांगा व उपमुख्यमंत्री तावंलुइया को भी विधानसभा पहुंचने से रोक दिया। दरअसल, हिंदी पट्टी में अप्रत्याशित रूप से उलटफेर करने वाले नतीजों के एक दिन बाद आए इन परिणामों ने बदलाव की आकांक्षाओं को अभिव्यक्त किया है। भाजपा ने राज्य के पुराने राजनीतिक दल कांग्रेस के जख्मों को दो सीट जीतकर हरा कर दिया। जो कांग्रेस के पूर्वोत्तर में सिमटते जनाधार की बानगी भी है। पार्टी को आत्मंथन करना होगा कि 2018 से पहले उसने लगातार दस साल तक मिजोरम में राज किया था, फिर क्यों वह अब राज्य में चौथे नंबर की पार्टी बनकर रह गई है। हाल के दिनों में राजग ने पूर्वोत्तर में भाजपा की जमीन तैयार करने में आशातीत सफलता पायी है। वैसे मिजोरम पूर्वोत्तर का एकमात्र ऐसा राज्य है जहां भाजपा अपने बूते सत्ता का हिस्सा नहीं होगी। हालांकि, पार्टी ने घोषणा की है कि वह नई सरकार का हिस्सा बनना चाहेगी। वैसे कहा जा सकता है कि आने वाले समय में भाजपा के लिये नई उम्मीदें जगी हैं क्योंकि वह चुनाव परिणाम में कांग्रेस से आगे निकल गई है। वैसे नये गठबंधन के मुखिया लालदुहोमा के सामने भी चुनौतियों का पहाड़ खड़ा है। मिजोरम के सामने वित्तीय संकट के साथ कई समस्याएं खड़ी हुई हैं। म्यांमार संकट मिजोरम को परेशान किए हुए है। प्रशासनिक अधिकारी म्यांमार सेना के हमलों के बाद मिजोरम आने वाले शरणार्थियों से जूझ रहे हैं। म्यांमार में ढाई साल से जारी गृहयुद्ध के बाद शरणार्थियों के आने का सिलसिला लगातार बना हुआ है। इसके अलावा भाजपा शासित पड़ोसी राज्य मणिपुर में जारी अशांति भी इस राज्य के लिये चुनौती है। वहां जारी जातीय संघर्ष के बाद मिजोरम की ओर अल्पसंख्यक समुदायों का पलायन बढ़ा है। इन तमाम चुनौतियों के बीच नई सरकार की राह आसान नहीं होगी।

अलगाव के मंसूबे

पिछले कुछ समय से कनाडा, अमेरिका, आस्ट्रेलिया और ब्रिटेन आदि देशों में अलगाववादियों की हरकतों में जो तेजी देखी गई है, वह उनकी भारत में मनमानी न कर पाने से उपजी हताशा ही कही जा सकती है। इन देशों में कानूनी जटिलताओं का फायदा उठाकर पृथकतावादी भारत विरोधी गतिविधियों को अंजाम देते रहते हैं। निहित स्वार्थों में लिप्त पश्चिमी देश भारतीय संप्रभुता को चुनौती देने के कृत्य को अभिव्यक्ति की आजादी की श्रेणी में दिखाकर अपने दायित्वों से मुक्त होने का प्रयास करते हैं। निस्संदेह, उनका यह रवैया दुराग्रहपूर्ण है और अलगाववादियों को मनमानी करने का मौका देता है। अलगाववादी गाहे-बगाहे भारतीय दूतावासों व राजनयिकों को निशाना बनाते रहते हैं। गत रविवार को न्यूयॉर्क के एक गुरुद्वारे में खालिस्तान समर्थकों ने भारतीय राजदूत तरनजीत सिंह संधू के साथ दुर्व्यवहार किया। विडंबना यह है कि यह घटना एक शुभ व पवित्र अवसर पर हुई। जिसमें धार्मिक स्थल की गरिमा का भी ध्यान नहीं रखा गया। अलगाववादियों ने राजदूत से एक नामित आतंकी के बारे में सवाल पूछे, जिसकी पिछली जून में कनाडा में हत्या हुई थी। इतना ही नहीं, अलगाववादियों ने उन्हें वहां से जाने को कहा। हालांकि, गुरुद्वारे के अधिकारियों ने संधू का अभिनंदन किया। उल्लेखनीय है कि यह प्रकरण ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोरईस्वामी को खालिस्तान समर्थक तत्वों द्वारा ग्लासगो (स्कॉटलैंड) में एक गुरुद्वारे में प्रवेश करने से रोकने के दो महीने बाद सामने आया है। तब अलगाववादियों ने उनकी कार पर हमला करने की कोशिश ही नहीं की थी बल्कि उन्हें जबरन पीछे हटने को मजबूर भी किया गया। निस्संदेह, ये विद्वेषपूर्ण घटनाएं पश्चिमी देशों, विशेषकर अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन में अलगाववादियों और भारत विरोधी लोगों को मिली खुली छूट को ही रेखांकित करती हैं। दरअसल, निज्जर मामले में भारत सरकार के अधिकारियों की संलिप्तता के बारे में कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपों ने खालिस्तान समर्थकों को भारत के खिलाफ उग्र व्यवहार के लिये प्रोत्साहित किया है। निश्चित रूप से कनाडाई प्रधानमंत्री अपनी अल्पमत सरकार को बचाने के लिये जिन समूहों का समर्थन ले रहे हैं, उनको खुश करने के लिये वे निज्जर मामले में भारत की संलिप्तता की दलीलों को हवा दे रहे हैं। भारतीय उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा, जिनका नाम और तसवीर निज्जर की हत्या के कुछ हफ्तों के बाद कनाडा में भड़काऊ पोस्टरों पर दिखाई दी थी, उन्होंने दोहराया है कि भारत मामले में विशिष्ट और प्रासंगिक सबूत मांग रहा है ताकि वह कनाडा को जांच में पूरी मदद कर सके। कनाडा सरकार न केवल भारत को जांच में शामिल करने को लेकर टाल-मटोल कर रही है बल्कि उसने भारतीय राजनयिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये जमीन पर बहुत कम काम किया है। निश्चित रूप से अलगाववाद के नापाक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिये पूजा स्थलों सहित विभिन्न प्लेटफार्मों का दुरुपयोग करने वाले उपद्रवियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की जिम्मेदारी संबंधित सरकारों पर है। निश्चित रूप से ऐसे तत्वों पर नकेल कसने के लिये राजनीतिक इच्छाशक्ति की भी सख्त जरूरत है। पश्चिमी देश इस खतरे से तब तक छुटकारा नहीं पा सकते जब तक कि वे वोट-बैंक के तुष्टीकरण के स्थान पर कूटनीतिक सद्भावना को प्राथमिकता देना आरंभ नहीं करते। लेकिन मानव अधिकारों व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की अपनी सुविधा के अनुसार व्याख्या करने वाले पश्चिमी देश अपनी नीतियों के क्रियान्वयन में दूसरे देशों की संप्रभुता का कभी सम्मान नहीं करते। यदि पश्चिमी देश अपने छिपे एजेंडे को इसी तरह हवा देते रहे तो निश्चित रूप से इसका असर द्विपक्षीय संबंधों पर पड़ेगा। जैसा कि हाल ही में कनाडा के साथ भारत के रिश्ते सबसे बुरे दौर में जा पहुंचे थे। इन देशों की सरकारों से उम्मीद की जाती है कि भारतीय राजनयिकों व दूतावासों में काम करने वाले कर्मचारियों को पूर्ण सुरक्षा प्रदान करें।

छद्म हिन्दूवादी चेहरों को आईना दिखा गया पांच राज्यों का विधानसभा चुनाव

अजय कुमार

पांच राज्यों के विधान सभा चुनाव में से हिन्दी पट्टी के तीन राज्यों- मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधान सभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी के अलावा किसी भी दल की दाल नहीं गल पाई। इन राज्यों में जिस पार्टी की जितनी हैसियत थी, उसे यहां की जनता ने उस हिसाब से सबक सिखाया। कांग्रेस के अलावा समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और जनता दल युनाइड जैसी तमाम क्षेत्रीय पार्टियां सियासी मैदान में दम तोड़ती दिखीं, लेकिन सबसे अधिक चर्चा कांग्रेस की हार की हो रही है। गांधी परिवार पर चौतरफा हल्ला बोला जा रहा है। भाजपा हमलावर है यह बात तो समझ में आती है, लेकिन सपा प्रमुख अखिलेश यादव और बसपा सुप्रीमो मायावती जिनकी अपनी परफारमेंस इन चुनावों में किसी तरह से अच्छी नहीं थी, उनके तो दोनों हाथों में मानो लड्डू आ गया है। इन दोनों दलों के मुखिया कांग्रेस और गांधी परिवार को आईना दिखा रहे हैं तो भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत पर ईवीएम पर सवाल उठाकर अपनी हार पर एक तरफ पर्दा डाल रहे हैं तो दूसरी तरफ व्यंग्यात्मक लहजे में बीजेपी की जीत पर तंज भी कस रहे हैं।

कांग्रेस की हार से इत्तर यदि समाजवादी पार्टी की हार की बात की जाये तो 1993 में पार्टी के गठन के बाद से सपा को सबसे बुरी हार का सामना करना पड़ा है। सपा को मध्य प्रदेश से काफी उम्मीद थी, लेकिन उसे यहां मात्र 0.45 फीसदी वोट मिले। इतने कम वोट सपा को कभी नहीं मिले थे। पिछले 25 वर्षों में पहली बार सपा के कुल वोटों का आंकड़ा दो लाख भी नहीं पार कर पाया। सपा ने मध्य प्रदेश में 74 उम्मीदवार उतारे थे। इन उम्मीदरवारों के समर्थन में अखिलेश यादव ने करीब एक दर्जन सभाएं की थीं। अखिलेश के अलावा डिंपल यादव, शिवपाल यादव सहित तमाम नेता चुनाव प्रचार का हिस्सा बने थे। परंतु यहां न सपा का पीडीए कार्ड चला, ना ही जातीय जनगणना वाला दांव सही बैठा। अब अखिलेश ईवीएम पर भी सवाल खड़ा करते हुए कह रहे हैं कि अमेरिका, जापान, जैसे टेक्नालाजी सम्पन्न देश बैलेट पेपर से चुनाव कराते हैं। इसी तरह से बसपा को राजस्थान से काफी उम्मीद थी। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में बसपा ने गोंडवाना गणतंत्र पार्टी से गठबंधन किया था। एमपी में बसपा ने 178 और गणतंत्र पार्टी ने 50 उम्मीदवार उतारे थे। छत्तीसगढ़ में बसपा ने 53 और गोंडवाना पार्टी ने क्रमशः 53 और 37 प्रत्याशी खड़े किये थे लेकिन राजस्थान की दो सीटों के अलावा बसपा का कहीं खाता नहीं खुला, जबकि एमपी और छत्तीसगढ़ में बसपा ने पिछले चुनावों में दो-दो सीटें जीती थीं। बसपा प्रमुख राज्यों के चुनाव परिणाम को विचित्र बता रही हैं। वह अपने कार्यकताओं से कह रही हैं कि इस अजूबे परिणाम से निराश न हों और पूरे उत्साह के साथ लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुट जायें। खैर, बेहतर यह होता कि चुनाव प्रक्रिया पर

सवाल खड़ा करने की बजाय यह दल अपने गिरेबान में झांक कर देखते। अखिलेश यादव को समझना चाहिए कि स्वामी प्रसाद मौर्या जैसे नेताओं से सतानत धर्म को गाली दिलाकर वह चुनाव जीत सकते हैं तो यह उनकी गलतफहमी है क्योंकि भले ही हिन्दू समाज में अभी भी थोड़ा-बहुत जातपात दिख जाता है, लेकिन हिन्दू देवी-देवताओं को गाली के खिलाफ पूरा हिन्दू समाज एकजुट खड़ा रहता है। यही संदेश राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के चुनाव नतीजों से निकला है, जहां सनातनियों के सामने छद्म हिन्दुत्व हार गया। जिन दलों के नेता जातीय जनगणना कराये जाने की मांग करके हिन्दुओं को बांटना चाहते थे, उन्हें वोटरों ने आईना दिखा दिया। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और पूरी कांग्रेस ने जिस तरह से जातीय जनगणना के नाम पर हिन्दू समाज को बांटने के मंसूबे पाले थे, वह पूरी तरह से धराशायी हो गये।

बहरहाल, तीन राज्यों के विधान सभा चुनाव के नतीजों ने उत्तर प्रदेश की सियासत को भी काफी हद तक बदल दिया है। अब यहां 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए नये सिरे से इबारत लिखी जायेगी। इसी के साथ अगले वर्ष 2024 लोकसभा चुनाव में केंद्र की मोदी सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंकने की आईएनडीआईए गठबंधन की एकजुटता ग्रहण पड़ता नजर आ रहा है। इस बात को ऐसे भी समझा जा सकता है कि इन चुनावों में खाता भी न खोल पाने वाली समाजवादी पार्टी अपनी धुर विरोधी बीजेपी की जीत से ज्यादा कांग्रेस की हार से खुश नजर आ रही है। सपा नेताओं ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और पूर्व सीएम कमलनाथ पर हमले की बौछार कर दी है। एमपी चुनाव के समय सुभासपा मुखिया ओपी राजभर ने आरोप लगाया था कि अखिलेश यादव कांग्रेस को हराने के लिए और बीजेपी को जिताने के लिए काम कर रहे हैं। सपा ने एमपी की 74 सीटों पर दावा ठोंका था जबकि कांग्रेस ने लगभग सभी सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे। दोनों पार्टियों के अलग-अलग चुनाव लड़ने की वजह से समाजवादी पार्टी तो खाता भी नहीं खोल पाई, लेकिन उसने कांग्रेस को नहीं जीतने दिया। समाजवादी पार्टी की ओर से कांग्रेस के बड़े नेताओं पर हमले की बात करें तो सपा के आधिकारिक प्रवक्ताओं ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पूर्व सीएम कमलनाथ पर खूब हमला बोला था। सपा प्रवक्ता मनोज काका ने तो यहां तक कहा कि कांग्रेस को अखिलेश यादव को अपमान जनक शब्दों से सम्बोधित करना भारी पड़ा है। उन्होंने बताया कि कमलनाथ ने सपा मुखिया के खिलाफ अपमान जनक शब्द बोले थे। उनका अहंकार सिर चढ़कर बोल रहा था। वहीं सपा के एक अन्य प्रवक्ता फखरुल हसन चांद ने कहा कि आईएनडीआई गठबंधन में कांग्रेस एक बड़ा दल है, उसे बड़े दिल के साथ इस गठबंधन को चलाना चाहिए था लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सपा प्रवक्ता ने कहा कि कांग्रेस को आत्मचिंतन की जरूरत है कि अगर देश से भारतीय जनता पार्टी को हराना है, तो बड़े दल को बड़ा दिल भी दिखाना पड़ेगा।

छोटी-छोटी बातों पर देते हैं ध्यान, जनता ने बढ़ाया सम्मान : स्वाती सिंह

तीन राज्यों में भाजपा की प्रचंड जीत ने 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा की जीत पक्की कर दी है। यह कहना इसलिए उपयुक्त है कि इन विधानसभाओं का चुनाव भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चेहरे पर ही लड़ा गया था और लोकसभा का चुनाव भी उन्हीं के नाम पर लड़ा जाना है। जहां हर मीडिया का सर्वे छत्तीसगढ़ में भाजपा की हार बता रहा था, उसे भाजपा कार्यकताओं ने जीत में बदल दिया।

इसके साथ ही मध्य प्रदेश की प्रचंड जीत के पीछे चाणक्य की भूमिका में रहने वाले राष्ट्रीय स्तर पर रहते हुए भी बूथ स्तर तक के कार्यकताओं से संपर्क करने की क्षमता कोई रखता है तो वह हैं, गृहमंत्री अमित शाह। मध्य प्रदेश में भाजपा के शीर्षस्थ नेताओं ने बूथ स्तर तक के कार्यकताओं से संपर्क साधा और पिछले चुनावों में हारे हुए बूथों को मजबूत करने की चर्चा की और आज उसे विजय में तब्दील कर दिया। अमित शाह हमेशा छोटी-छोटी बातों पर भी ध्यान देते हैं, जिसके कारण जनता ने भाजपा का सम्मान बढ़ाया। आज की तिथि में कहा जाय तो विश्व के किसी भी रणनीतिकार में अमित शाह सर्वश्रेष्ठ हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने पूरे चुनाव के दौरान हर जगह निगाहें गड़ाकर एक-एक कदम बढ़ाते रहे और कार्यकताओं से हमेशा संपर्क बनाकर रहे। भाजपा की यही खूबरसूरती है कि यहां कोई भी बड़ा या छोटा नहीं होता। हर पदाधिकारी एक कार्यकर्ता होता है। जनता की सेवा के लिए होता है। यहां अहम के लिए कोई जगह नहीं है।

भाजपा ने कभी नकारात्मक राजनीति नहीं की। हमेशा राष्ट्र को भाजपा ने सर्वोपरि माना और उसी के अनुसार कार्य किया। उसके लिए जीत-हार मायने नहीं रखती, जनता का हित मायने रखता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्र को विकसित राष्ट्र की श्रेणी में लाने के लिए दिन-रात जतन कर रहे हैं। वहीं गरीबों के लिए उनका दिल धड़कता रहता है। यही कारण है कि जनता भी उनकी हर बात पर विश्वास करती है। एक बार उन्होंने कहा कि सिर्फ कमल ही

चेहरा है और जनता ने तीन राज्यों में भाजपा को बहुमत दे दिया।

यह भाजपा कार्यकताओं और अमित शाह जैसे नीति निर्धारक कुशल योजनाकार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसा विश्वव्यापी चेहरे का परिणाम है कि 39 साल पहले 1984 के आम चुनाव में भाजपा को केवल दो सीटें ही हासिल हुई थी, वह पार्टी अब न केवल 12 राज्यों को नियंत्रित करती है, बल्कि यह देश की 41 प्रतिशत आबादी पर भी शासन कर रही है। वहीं, बात करें गठबंधन सरकारों की तो उसमें 50 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या पर शासन करती है। उम्मीद है कि 2024 के आम चुनावों में भाजपा को गठबंधन से भी समर्थन मिलेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जनता से किये हर वादे को निभाने के लिए दिन-रात एक करना। भ्रष्टाचार के लिए लड़ने के साथ ही विपक्ष की नकारात्मक राजनीति भी भाजपा को ऊपर पहुंचाने में आज योगदान कर रही है। कई बार विपक्ष भाजपा की बुराई करते-करते अपने दुश्मन देशों के गुणगान करने से भी गुरेज नहीं करता। अपने जवानों के हौसले तोड़ने के लिए तो कांग्रेस आये दिन वक्तव्य देती रहती है। आज जनता सब कुछ देख रही है और राष्ट्र प्रेम से अभिभूत होकर वह भाजपा को वोट कर रही है। यदि विपक्ष इसी तरह की भूमिका निभाता रहा तो आने वाले दिनों में कई दशकों तक भाजपा सत्ता में बनी रहेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार की शाम पार्टी कार्यकताओं को अपना विजयी भाषण दिया। पीएम मोदी ने कहा, 'कुछ लोग कह रहे हैं कि इस हैट्रिक ने 2024 की जीत की गारंटी दी है। आज का जनादेश साबित करता है कि लोगों में भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण और वंशवादी राजनीति के प्रति शून्य सहिष्णुता है।' यह अक्षरशः सत्य है और सबके सामने दिख रहा है। पूरा विपक्ष मिलकर भी भाजपा को हरा नहीं सकता। इस चुनाव के बाद विपक्ष खुद ही बिखराव की ओर भी आगे बढ़ने लगेगा, क्योंकि विपक्ष सिर्फ स्वार्थ में गठबंधन कर रहा है। उसका मनोवैज्ञानिक एका नहीं है। आज अधिकांश वहीं पार्टियां कांग्रेस के साथ इंडी गठबंधन बना रही हैं, जो कभी कांग्रेस से विद्रोह कर अलग हुई थीं।

राजस्थान और छत्तीसगढ़ पर भी भाजपा ने एक बार फिर अपनी पकड़ मजबूत की, जिसके बाद देश के 12 राज्यों- उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, असम, छत्तीसगढ़, हरियाणा, उत्तराखंड, त्रिपुरा, मणिपुर, गोवा और अरुणाचल प्रदेश में भाजपा की सरकार है। वहीं, भाजपा की गठबंधन सरकारें महाराष्ट्र, मेघालय, नागालैंड और सिक्किम में फैली हुई हैं। कांग्रेस केवल तीन राज्यों में कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश पर शासन कर रही है। यहां देश की आबादी का केवल 8.51 प्रतिशत हिस्सा शामिल है। वहीं, बिहार और झारखंड में सत्तारूढ़ गठबंधन है, जो कि 19.84 प्रतिशत आबादी पर शासन कर रही है। राजस्थान की हार और छत्तीसगढ़ में उलटफेर से कांग्रेस की शक्ति कमजोर हो गयी,जिसके बाद उसके गठबंधन के लोग ही उसको धमकी देने में जुट गये हैं। अब कांग्रेस अपने घर को सहेजने में जुट जाएगी।

(लेखिका पूर्व मंत्री और भाजपा की वरिष्ठ नेता हैं।)

राजस्थान में नेताओं की आपसी कलह विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को ले डूबी

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान विधानसभा चुनाव में लोगों को जैसी अपेक्षा थी उसी के अनुरूप चुनाव परिणाम देखने को मिले हैं। पिछले पांच विधानसभा चुनाव से प्रदेश में हर बार राज बदलने की परंपरा छठी बार भी कायम रही है। अशोक गहलोत के लाख प्रयासों के उपरांत भी कांग्रेस पार्टी प्रदेश में हर बार सत्ता बदलने का रिवाज नहीं बदल पाई और सत्ता गंवा दी। राजस्थान के मतदाताओं ने भाजपा की भारी बहुमत से ताजपोशी की है ताकि अगले पांच साल तक वह बिना किसी बाधा के राज कर सके।

प्रदेश में भाजपा 115 सीटों के पर्याप्त बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। वहीं कांग्रेस का आंकड़ा 108 से घटकर 69 सीटों पर ही सिमट गया है। प्रदेश के मतदाताओं ने तीसरे मोर्चे के नाम पर नेतागिरी कर रहे बड़बोले नेताओं को भी चुनाव में उनकी जगह दिखा दी है। बहुजन समाज पार्टी मात्र दो सीटों पर सिमट गई। वहीं सत्ता की चाबी अपने हाथ में होने का दावा करने वाले नागौर के सांसद व राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष हनुमान बेनीवाल अपनी खुद की खींवसर विधानसभा सीट पर मात्र 2059 मतों के अंतर से जीत सके हैं। उनकी पार्टी के सभी प्रत्याशी पराजित हो गए। चुनाव से कुछ महीना पहले ही बांगड़ के आदिवासी क्षेत्र में बनाई गई भारतीय आदिवासी पार्टी के तीन विधायक जीतने में सफल रहे हैं। हालांकि भारतीय आदिवासी पार्टी आदिवासी क्षेत्र में पहले भारतीय ट्राईबल पार्टी के नाम से पिछले विधानसभा चुनाव में उतरी थी और उसके दो विधायक जीते थे। उन्हीं दोनों विधायकों ने भारतीय आदिवासी पार्टी के नाम से नई पार्टी का गठन किया था। आठ निर्दलीय प्रत्याशी जीते हैं। जिनमें से एक कांग्रेस का व सात भाजपा के बागी थे। विधानसभा चुनाव से पहले अशोक गहलोत ने चौथी बार मुख्यमंत्री बनने के लिए पूरा जोर लगा दिया था। मगर कांग्रेस में चल रही आपसी गुटबाजी के चलते मतदाओं ने कांग्रेस पार्टी को सिरे से ठुकरा दिया। विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ही पार्टी के मुख्य चेहरे बने हुए थे। उन्हीं के चेहरे पर कांग्रेस ने चुनाव लड़ा था। पार्टी की सभी प्रचार सामग्री पोस्टर, बैनर और होडिंगों में अशोक गहलोत ही छाए हुए थे। अशोक गहलोत द्वारा हायर की गई प्रचार कंपनी डिजाईन बाक्स व उसके बड़बोले निदेशक नरेश अरोड़ा भी चुनाव जितवाने में नाकाम रहे। सचिन पायलट पूरे चुनाव में ही साइड लाइन रहे। टिकट वितरण के दौरान सचिन पायलट ने जिस तरह से गहलोत के सामने हथियार डाले दिये थे। उस पर बड़े-बड़े राजनीतिक विश्लेषकों को भी आश्चर्य हुआ था। चुनाव से पहले शुचिता की बड़ी-बड़ी बातें करने वाले पायलट ने जिस तरह से गहलोत समर्थक शांति धारीवाल और प्रमोद जैन भाया जैसे विवादित लोगों को टिकट देने पर अपनी सहमति जताई उससे सभी अचंभित रह गए। लोगों का कहना था कि पायलट ने अपने समर्थक कुछ लोगों के टिकट क्लीयर करवाने के चक्कर में गहलोत से अंदर खाने अघोषित समझौता कर लिया था। चुनाव में पायलट के कहने पर करीबन 40 लोगों को टिकट मिली जबकि गहलोत समर्थकों की संख्या 150 से भी ऊपर थी।

चुनाव से पहले गहलोत बार-बार कहते थे कि प्रदेश की जनता में सरकार के खिलाफ नकारात्मक माहौल नहीं है। जनता प्रदेश सरकार के कामों से खुश है। विधायकों को लेकर जनता में नाराजगी है। इसलिए हम बड़ी संख्या में नए लोगों को मैदान में उतरेंगे। मगर चुनाव आते-आते सारी बातें कागजों में ही रह गई और धड़ाधड़ बूढ़े व मौजूदा विधायकों को मैदान में उतार दिया गया। जिसका नतीजा कांग्रेस को करारी हार के रूप में देखना पड़ा। अशोक गहलोत ने सबसे बड़ी गलती प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सामने खुद को चेहरा बना कर कर दी। राजस्थान में भाजपा ने किसी को भी चेहरा बनाकर चुनाव नहीं लड़ा था। भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे व कमल के फूल के निशान पर चुनाव लड़ा था। वहीं अशोक गहलोत ने सामूहिक नेतृत्व के स्थान पर खुद को ही आगे कर पूरी चुनावी व्यूह रचना की थी जिसमें वह नाकाम रहे। कई विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस को अपने बागी प्रत्याशियों की नाराजगी के चलते भी हार का सामना करना पड़ा है। समय रहते कांग्रेस पार्टी आंतरिक बगावत पर नियंत्रण नहीं कर पाई। पार्टी के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा व तीनों सह प्रभारी का तो चुनाव के दौरान पता ही नहीं चला कि वो कहां रहे। राजस्थान में कांग्रेस को रसातल में पहुंचने में प्रभारी सुखजिंदर रंधावा भी बहुत जिम्मेदार है। रंधावा का पूरा समय गहलोत सरकार की जी हुजूरी करते व लोगों को पदाधिकारी नियुक्त करने में ही निकल गया और कांग्रेस पार्टी सत्ता से बाहर हो गई।

साड़ ने किसान को खेत में मारा, हालत नाजुक रेफर

प्रखर जौनपुर। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के छबीलेपुर गांव में खेत की सिंचाई करने के लिए गए किसान को एक सांड ने दौड़ा कर मार दिया। जिससे उसके हाथ पर रीड की हड्डी टूट गई। उ लोगों ने आनन-फानन में उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया, उनकी हालत नाजुक देखते हुए चिकित्सको ने वाराणसी के लिए रेफर कर दिया।

जानकारी के अनुसार छबीलेपुर गांव में खेत की सिंचाई करने के लिए 60 वर्षीय नरोत्तम प्रजापति गए थे । इसी दौरान खेत में चर रहे साड को उन्होंने भागने की कोशिश किया, लेकिन साड ने उन्हें दौड़कर प्राण घातक हमले किए। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए और उनके शरीर में कई जगह गंभीर चोटें लगी। बताया जाता है कि हाथ पैर व रीढ की हड्डी भी टूट गई है और जब उन्हें उपचार के लिए जिला

अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने उनकी हालत गंभीर देखते हुए वाराणसी के लिए रेफर कर दिया। इसके बाद वह साड गांव के और कई लोगों पर हमला बोला लेकिन लोगों ने किसी तरह भाग कर जान बचाई। छबीलेपुर गांव में साड का आतंक फैला हुआ है ।इसके पहले भी कई लोगों पर वह हमले कर चुका है। सांड के द्वारा लगातार हमले से गांव वाले दहशत में है।

फिर आवारा सांड के आतंक से लोगों में दहशत- खेतासराय। नगर पंचायत खेतासराय में आवारा सांड के आतंक से नगरवासियों में दहशत का महौल बना हुआ है। बीते कुछ दिनों पहले इन आवारा सांड के हमले से अब तक लगभग दो लोगों की जान जा चुकी है। इसी बीच कई लोग घायल हो चुके हैं। इस संबंध में लोगों की कई बार शिकायत पर सांडों को वाहन से ले जाकर दूर छोड़ा गया लेकिन कुछ दिन बाद फिर से सांड के वापस आने फिर दहशत का महौल बन गया है। इन हमलावर आवारा छुट्टा पशुओं से आस पास रहने वालों से लेकर दुकानदार समेत किसान भी परेशान हैं।

अधिक भावनात्मक बुद्धिमत्ता वाले करते है बेहतर प्रदर्शन : अजय सिंह

प्रखर जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में बुधवार को समसामयिक भर्ती प्रक्रिया और अवसर विषयक विशेष व्याख्यान का आयोजन मानव संसाधन विभाग एवं केंद्रीय प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल के संयुक्त तत्वावधान में किया गया. व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता मुंबई हाई कोर्ट के अधिवक्ता एवं बायर कंपनी समूह भारत के पूर्व वाइस प्रेसिडेंट मानव संसाधन अजय सिंह ने कहा कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता जिनकी अधिक होती है वह हर स्थिति में अपना बेहतर प्रदर्शन करते है. जीवन में और कार्य क्षेत्र में नित नई चुनौतियां सामने आती है अधिक भावनात्मक बुद्धिमत्ता के लोग इनका सही तरीके से सामना करते है. उन्होंने कहा कि विद्यार्थी पढाई के दौरान से ही उद्योगों द्वारा निकलने वाली भर्तियों पर ध्यान दे और उनके अनुरूप अपने को तैयार करते रहे. छात्रों को कारपोरेट जीवन मे सफल होने के लिए स्वयं के विकास, रिज्यूम निर्माण और सोशल मीडिया प्रोफाइल को सकारात्मक रखने पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि कंपनी नियुक्ति के पूर्व सोशल मीडिया प्रोफाइल को भी चेक कर रहीं है इसपर नकारात्मक पोस्ट आपके लिए ठीक नहीं है. उन्होंने कहा कि पूर्वांचल के युवाओं में बहुत प्रतिभा है और आज देश के हर सेक्टर में अपना लोहा मनवा रहे है. कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले विद्यार्थियों ने वक्ता से रोजगार सम्बंधित सवाल किये. इसी क्रम में अतिथि वक्ता भारतीय सेना कर्नल अभिषेक सिंह से कहा कि ईमानदारी और अच्छी भावना से काम करने वाले लोग किसी भी संस्थान के लिए संपत्ति होते है. उन्होंने सेना में प्रोफेशनल कोर्सेज के विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध रोजगार के अवसरों के बारे में विस्तार से बताया. मानव संसाधन विभाग के अध्यक्ष प्रो. अविनाश पथर्डीकर ने अतिथियों का स्वागत एवं विषय प्रवर्तन किया. आईक्यूएसी के समन्वयक ने अतिथियों को पुष्प गुच्छ प्रदान किया. इस अवसर पर डॉ. मनोज मिश्र, डॉ. प्रमोद यादव, डॉ आशुतोष सिंह, डॉ प्रमोद कुमार, डॉ रसिकेश, डॉ दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. अमित वत्स, पंकज सिंह, अनुपम समेत विभिन्न संकायों के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

नगर पंचायत के कूड़ेदान में मिला नवजात शिशु, इलाज के दौरान मौत

प्रखर संतकबीरनगर। धनघटा थानाक्षेत्र के हैंसर बाजार कस्बे के टीवीएस मोटरसाइकिल एजेंसी के सामने नगर पंचायत के कूड़ेदान में मंगलवार की सुबह एक नवजात शिशु पड़ा था। आने जाने वाले ग्रामीणों ने बच्चे के रोने की आवाज सुना। करीब जाकर देखा तो वहां एक नवजात शिशु खून से लथपथ पड़ा था। ग्रामीणों ने उसको उठाया और वार्ड नंबर 4 की सभासद सीमा चौहान को सूचना दिया। सभासद सीमा चौहान ने तत्काल मौके पर पहुंचकर बच्चे को गोद में उठा लिया। नवजात की नाड़ी कटवाने के लिए पास के ही डॉक्टर के पास ले गई। तत्परता दिखाते हुए नगर पंचायत अध्यक्ष को फोन कर इस घटना के बारे में बताया। नगर पंचायत अध्यक्ष रिंकू मणि और अध्यक्ष प्रतिनिधि नीलमणि तत्काल मौके पर पहुंचे और नवजात शिशु को सीएससी मलौली इलाज के लिए ले गए। डॉक्टरों ने इलाज शुरू कर दिया लेकिन गंभीर हालत का हवाला देते हुए डॉक्टरों ने तत्काल जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान नवजात शिशु की मौत हो गई। लोगों ने इसकी सूचना धनघटा पुलिस को दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। इस मामले को लेकर समूचे कस्बे में चचाओं का बाजार बेहद गरम है। लोगों का कहना था कि अगर औलाद को पालने का साहस नहीं है तो ऐसे पाप आखिर करते ही क्यों हैं!

संक्षिप्त खबरें

पास्को एक्ट के वांछित अपराधी को शादियाबाद पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर के निर्देश पर अपराध एंव अपराधियों व वांछित अभियुक्त गण की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर एव क्षेत्राधिकारी भुड़कुडा गाजीपुर के कुशल पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष शादियावाद के देखरेख में मुखबिर खास की सूचना पर उप निरीक्षक हरिश्चन्द्र वर्मा मय हमराह महिला कांस्टेबल अंशू सिंह , कांस्टेबल नीरज कुमार के द्वारा मु0अ0सं0 256/2023 धारा 363/366/376(3) भादवि व 5(छ)/6 पाक्सो एक्ट में वांछित अभियुक्त सतीश उर्फ त्रिभुवन बिन्द पुत्र जवाहिर बिन्द निवासी ग्राम जलालपुर थाना शादियाबाद जनपद गाजीपुर को मंगलवार समय 2.10 बजे दुर्गा चौक के पास से गिरफ्तार कर चालान मा0 न्यायालय किया गया।

शहीद वीर अब्दुल हमीद पीएचसी पर निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर में दिखा उत्साह

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। धामुपुर में शहीद वीर अब्दुल हमीद नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जखनिया मंगलवार को धामूपुर के समाजसेवी अनिकेत चौहान ने की पहल पर नेत्र शिविर आयोजित किया गया है। नेत्र सर्जन चिकित्सक डॉ स्नेहा सिंह एवं नेत्र परीक्षण अधिकारी मनोज कुमार शहीद वीर अब्दुल हमीद नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक फार्मासिस्ट रामसुरेश चौरसिया लैब टैकनिशियन ललित कुमार, सौम्या गुप्ता वार्ड ब्वाय अखिलेश, निशार अहमद इस सभी लोगों के सहयोग से यह शिविर सफल रहा है। समाजसेवी अनिकेत चौहान की पहल पर निशुल्क नेत्र परीक्षण सुबह 11 से दोपहर 3 बजे तक आयोजित किया गया। जिसमें नेत्र चिकित्सकों द्वारा बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुषों एवं बच्चों का सफल नेत्र परीक्षण किया गया। परीक्षण उपरांत मोतियाबिंद पाए जाने पर उन्हें निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु 25 दिसंबर सोमवार सुबह 9 बजे जिला अस्पताल गाजीपुर में ऑपरेशन हेतु बुलाया गया है। समाजसेवी अनिकेत चौहान ने बताया कि इस निशुल्क नेत्र परीक्षण कैंप में लगभग 105 मरीजों की आंखों का जांच डॉक्टरों की टीम के द्वारा किया गया जिसमें 25 मरीजों को मोतियाबिंद मरीज पाए गए हैं। इन मरीजों का जिला अस्पताल गाजीपुर में मरीजों को निशुल्क भोजन रहने व्यवस्था की जाएगी। नेत्र मरीजों की आंखों की जांच कर चश्मा हेतु नंबर प्रदान किया गया।

तेरह दिवसीय राणी सती मंगल महोत्सव के अंतिम दिन काशी गौशाला से निकली शोभायात्रा

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। राणी सती दादी की शोभा यात्रा में राजस्थानी पारम्परिक वेशभूषा में महिलाएं, पुरुष और बच्चे जब जयकारा लगाते थे तब एकदम राजस्थान जैसा माहौल बन जाता था तेरह दिवसीय राणी सती मंगल महोत्सव के अंतिम दिन 6 दिसम्बर बुधवार को काशी गौशाला से निकली शोभा यात्रा में करीब 450 महिलाएं कलश के साथ एवं लगभग 250 पुरुष ध्वज के साथ सम्मिलित हुए , शोभा यात्रा में शामिल राणी सती दादी की रथ पर सजी झांकी के साथ श्रद्धालु भजन गाते चल रहे थे रथ पर से राहगीरों में प्रसाद वितरण भी हो रहा था` मैदागिन, कबीरचौरा होते हुए रामकटोरा स्थित राणी सती धाम मंदिर पहुंचने पर शोभायात्रा की अगवानी शरद शाह, संजीव अग्रवाल, अरविंद जैन,श्रीमती मधु तुलस्यान एवं संजय झुनझुनवाला ने की। शोभा यात्रा के मंदिर में प्रवेश के साथा ही 'लाल ध्वजा फहरे मंदिर में नौबत बाजे द्वार रतन सिंहासन बैठी दादी, तीन लोक सरकार' जैसे नारों से मंदिर परिसर गूंजने लगा रवि बुबना, आनंद तुलस्यान, कौशल अग्रवाल व वीरेन्द्र अग्रवाल ने शोभा यात्रा में शामिल लोगों से ध्वज अर्पित कराया ` कलश धारी महिलाओं द्वारा राणी सती दादी के विग्रह पर जलाभिषेक की व्यवस्था निधिदेव अग्रवाल, अशोक गिनोडिया, राजीव शाह, आलोक मोदी इत्यादि ने संभाल रखी थी। जलाभिषेक के बाद पुरुषोत्तम सर्राफ व रघुदेव अग्रवाल ने दादी चालीसा पाठ की व्यवस्था संभाली दोपहर में श्री राणी सती दादी के सामूहिक मंगल पाठ में लगभग 350 महिलाएं सम्मिलित हुई। नाटी ईमली पुलिस चौकी के सिपाहियों का सहयोग मिलने से रामकटोरा नाटी इमली रोड पर जाम की समस्या उत्पन्न नहीं हुई।

बाबा साहब का जीवन विद्यार्थियों को सीखने के लिए बड़ा सिद्धान्त प्रस्तुत करती है

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के समाज कार्य विभाग में डॉ. बी आर अम्बेडकर के 67वें महापरिनिर्वाण दिवस पर एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया इस सभा में अध्यापकगण, कर्मचारीगण एवं विद्यार्थी उपस्थित थे` सभा में एमएसडब्ल्यू प्रथम सेमेस्टर की विद्यार्थी सुश्री नंदनी ने बाबा साहब के कृतित्व पर प्रकाश डाला एक अन्य विद्यार्थी राघव सोनकर ने कहा कि बाबा साहब 200 वर्षों के आगे की सोच रखते थे शोधार्थी अवधेश ने कहा कि यदि बाबा साहब न होते तो वंचित वर्ग के लोग शिक्षित न हो पाते। शोधार्थी मुनाजिर हुसैन ने कहा कि बाबा साहब के बारे में विद्यार्थियों को अध्ययन करना चाहिए क्योंकि ऐसा व्यक्ति समाज में एक बार पैदा होता है` सभा को प्रो. वंदना सिन्हा ने संबोधित करते हुए कहा कि बाबा साहब प्रतिभावान थे इसलिए उनकी प्रतिभा छिप नहीं सकी उनकी प्रतिभा को महाराज सवाजीराव गायकवाड़ ने पहचाना। विभागाध्यक्ष ने अध्यक्षीय उदबोधन देते हुए कहा कि बाबा साहब के जीवन के सिद्धांत से विद्यार्थियों को सीखना चाहिए क्योंकि उन्होंने देश के लिए संघर्ष किया उन्होंने कहा कि आज ऐसे महापुरुषों कि आवश्यकता है सभा संचालन प्रो.अनिल कुमार चौधरी एवं धन्यवाद डॉ. चंद्रशेखर सिंह ने किया। सभा में प्रो.निमिषा गुप्ता, डॉ अनिल कुमार, डॉ रमेश कुमार कुशवाहा, डॉ प्रभंजन, जितेंद्र पाल, श्रवण आदि उपस्थित थें।

प्रभारी मंत्री व सदर विधायक ने डॉ0 भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि व परिनिर्वाण दिवस पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया

प्रखर संतकबीनगर। भारत रत्न बाबासाहेब डॉ0 भीमराव अंबेडकर जी की 67वीं पुण्यतिथि व परिनिर्वाण दिवस पर राज्य मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग एवं समग्र ग्राम्य विभाग, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, उ0प्र0 शासन विजयलक्ष्मी गौतम जी व विधायक खलीलाबाद अंकुर राज तिवारी जी द्वारा डॉ0 भीमराव अंबेडकर जी की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। इस अवसर पर मा0 मंत्री जी द्वारा डॉ0 भीमराव अंबेडकर जी के राष्ट्र निर्माण में योगदान एवं आजाद भारत के संविधान निर्माण में उनकी अहम भूमिका पर प्रकाश डाला।

डॉ.भीमराव अम्बेडकर जी ने सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध निरंतर आवाज बुलंद की : डॉ. कुमुद त्रिपाठी

प्रखर सहजनवां, गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय, सहजनवा, गोरखपुर में 06 दिसंबर को अम्बेडकर परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या एवं मुख्य अतिथि डॉ. (श्रीमती) कुमुद त्रिपाठी द्वारा सरस्वती प्रतिमा एवं "भारतरत्न" डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं सम्मुख दीप प्रज्वलन कर किया गया । छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए डॉ. (श्रीमती) कुमुद त्रिपाठी ने कहा कि "डॉ.भीमराव अम्बेडकरजी ने सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध निरंतर आवाज बुलंद की एवं आजीवन समाज के शोषित एवं वंचित वर्ग के हितों की चिंता की ।"

जन विकास समिति मुर्दहा वाराणसी द्वारा अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस का किया गया आयोजन

प्रखर वाराणसी। विकास समिति द्वारा दिव्यांग दिवस का का बसर्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 600 दिव्यांगो को कंबल वितरण किया गया, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अजगरा विधान सभा के विधायक माननीय त्रिभुवन राम जी, विशिष्ट अतिथि ब्लाक प्रमुख हरहुआँ श्री बद्री वर्मा जी, चोलापुर भाजपा मण्डल अध्यक्ष राणा प्रताप सिंह, आयर, मुर्दहा और काकलपुर के सम्मानित प्रधान लोग के साथ 600 दिव्यांग जन उपस्थित हुए। संस्था के निर्देशक फा चंद्रन रेमंड्स जी ने कहा आज दिव्यांगता कोई अभिशाप नहीं रह गया आज हमारे दिव्यांग भाई बहन हर जगह अपना परचम लहरा रहे है संस्था दिव्यांगो को अग्रसर करते के लिए प्रयासरत हैं और भविष्य में भी रहेगी। माननीय विधायक जी ने कहा जन विकास समिति द्वारा किया जा रहा कार्य सराहनीय है दिवांगो और महिलाओं को अग्रसर करते के लिए जैसे सरकार कार्य कर रही है उसी तरह जन विकास समिति भी कदम से कदम मिला कर उत्थान के प्रति कार्य कर रही है मेरा इस संस्था के प्रति हमेसा सहयोग रहेगा। कार्यक्रम में संस्था से रंजीत सिंह, अभिषेक मिश्रा, सन्तोष यादव, अतुल यादव, जड़वती देवी, अंजू देवी, सुभावती अन्य लोग शामिल थे।

बहुजन सोच एवं समता मुलक समाज के प्रणेता थे डॉ. भीमराम अंबेडकर : सुनील राम

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिला कांग्रेस कमेटी एवं शहर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी एवं कार्यकताओं ने लंका स्थित अंबेडकर पार्क में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के मूर्ति के पास बैठकर के उनका परिनिर्माण दिवस मनाया गया सर्वप्रथम कार्यकताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पितकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गयी साथ ही साथ उनके मूर्ति के नीचे बैठकर के एक गोष्ठी का आयोजन किया गोष्ठी में कार्यकताओं ने उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए समता मूलक समाज का महानायक बताया कार्यकताओं ने कहा कि डॉ आंबेडकर सर्व समाज के लिए जो संविधान प्रस्तुत किया समाज के हर वर्गों की उन्नत और खुशहाली उसमें समावेश था गोष्ठी को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुनील राम ने कहा कि बहुजन सोच एवं समता मूलक समाज के प्रणेता डॉ आंबेडकर थे बाबा साहब ने हमेशा कमजोर वर्ग दलित पिछड़े के लिए संघर्ष करते रहे आज उनकी देन है कि दलित और पिछड़े अपने अधिकार के प्रति सचेत होते हुए विकास करने में सफल हुए। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पिछड़ा वर्ग विभाग के अध्यक्ष मनोज यादव ने कहा कि डॉ भीमराव अंबेडकर साहब ने देश में समता मूलक समाज की स्थापना के लिए जीवन प्रयत्न संघर्ष किया उनके विचारों से हम इस देश में गैर बराबरी सामाजिक आर्थिक राजनीतिक हर स्तर पर निजात के लिए संघर्ष कर सकते हैं । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ जनक कुशवाहा ने कहा कहां की वर्तमान समय में कुछ असामाजिक शक्तियां बाबा साहेब के विचारों को खत्म करके एक नया संविधान रचने की कोशिश कर रही है, लेकिन दलित पिछड़े अल्पसंख्यक महिलाओं व नौजवान कार्यकर्ता उनके मंसूबों को कामयाब नहीं होने देगे। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से शहर अध्यक्ष संदीप विश्वकर्मा एआईसीसी सदस्य रविकांत राय एवं राघवेंद्र जी मुसाफिर बिन्द ,चंद्रिका सिंह, राजेश गुप्ता, शंभू कुशवाहा, हामिद अली, ज्ञान प्रकाश मुन्ना, विद्याधर पांडेय, झुन्ना शर्मा, आशुतोष गुप्ता, प्रमिला भारती, महबूब निशा, सुमन चौबे, विश्वनाथ जायसवाल, राघवेंद्र चतुर्वेदी ,अविनाश राजभर, शबीहूल , आदिल अख्तर, बृजेश कुमार राघवेंद्र कुमार आलोक यादव विजय शंकर पांडे सुशील कुमार सिंह सहित तमाम कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

फूलपुर के युवक की अहमदाबाद में हुई मौत

प्रखर पिंडरा वाराणसी। फूलपुर थाना क्षेत्र के परसहनी जगदीशपुर निवासी मनोज कुमार पटेल की अहमदाबाद में एक बिल्डिंग के नींव खुदाई के गड्ढे में दबने से मौत हो गई। गांव में मौत की सूचना पहुचते ही कोहराम मच गया। बताते हैं कि अहमदाबाद गुजरात मे एक बिल्डिंग की नींव के लिए बने गड्ढे में उतरे थे। लेकिन तभी मिट्टी के गिरने से उसमे दब गए। उसमे उतरे तीन में से दो मजदूरों की मौत हो गई और तीसरा मजदूर घायल हो गया। 42 वर्षीय मनोज के पिता चंद्रिका पटेल ने बताया कि मनोज कई साल से एक बिल्डिंग बनाने वाले कम्पनी में काम करता था। कल रात में हम लोगों को सूचना मिली। परिवार के अन्य लोग किसी तरह शव का पीएम करवाया। शव बुधवार को सुबह अहमदाबाद से रवाना हो गया है। वही मृतक को एक लड़की व लड़का है।

आंचल पांडेय को साढ़े तेईस लाख के पैकेज में जगुआर लैंड रोअर ने किया कैम्पस सेलेक्शन

प्रखर थानागद्दी जौनपुर । केराकत कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पंचायत बराई के पुरवा आसमानपट्टी निवासी पेशे से अधिवक्ता एवं पत्रकार ज्ञान प्रकाश पाण्डेय की पुत्री आँचल पाण्डेय का जगुआर लैंड रोअर ऑटोमोबाइल लिमिटेड कम्पनी में साफ्टवेयर इंजीनियर के पद पर चयन साढ़े तेईस लाख के पैकेज पर होने से गांव क्षेत्र में खुशी का माहौल है। लोग मिठाइयां खिलाकर एक दूसरे से खुशियाँ जतायी और आंचल के माता पिता की बधाई दी। मालूम हो कि शनिवार को आई टी मद्रास परिसर में हुए इंटरव्यू में आँचल पाण्डेय का जगुआर लैंड रोअर में 23.5 लाख के पैकेज पर सेलेक्शन हुआ। इसके पूर्व आंचल का एसेंचर मल्टीनेशनल कंपनी टोकियो जापान में 35 लाख के पैकेज पर चयन हुआ था किंतु विदेश में नौकरी उसे पसंद नहीं थी।इसलिए देश में ही ब्रिटिश मल्टीनेशनल आटोमोबाइल की लग्जरी कार बनाने वाली कंपनी जिसे टाटा ने खरीदा है अपनी सहमति प्रदान की।आंचल की मां निलेश पांडेय अध्यापिका है। आंचल आई टी मद्रास में अंतिम सेमेस्टर की छात्रा है।इकलौती बेटी की इस उपलब्धि पर माता पिता फूले नहीं समा रहे।इकलौता बेटा सार्थक पांडेय 12 वी की पढ़ाई कर रहा है। बधाई देने वालो में मुरली पाल, प्रेमचंद शुक्ल अमित सिंह अच्छेलाल यादव, दिनेश सिंह, राजेश मिश्रा माधवा नन्द, बृजेश सिंह, अतुल सिंह नरेंद्र पांडेय मुख्य रूप से थे।

सपाजनो ने डा. भीमराव अम्बेडकर के परीनिर्माण दिवस पर गोष्ठी का किया आयोजन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। बुधवार को समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक और भारतीय संविधान के शिल्पी बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर जी के महापरिनिर्वाण दिवस पर जिलाध्यक्ष गोपाल यादव की अध्यक्षता में पार्टी कार्यालय समता भवन पर माल्यार्पण कार्यक्रम एवं विचार गोष्ठी आयोजित हुई। गोष्ठी आरंभ होने के पूर्व पार्टी के सभी कार्यकताओं ने डॉ भीमराव अम्बेडकर जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए देश के संविधान की रक्षा करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष गोपाल यादव ने डॉ भीमराव अम्बेडकर जी को बहुआयामी व्यक्तित्व का धनी बताते हुए कहा कि वह एक विधिवेत्ता, राजनीतिज्ञ और समाज सुधारक थे । उन्होंने समाज और राजनीति में बेहद सक्रिय भूमिका निभाते हुए अछूतों, स्त्रियों और मजदूरों को मानवीय अधिकार और सम्मान दिलाने के लिए अथक प्रयास किया। उन्होंने जीवन पर्यन्त दलितों की मुक्ति एवं सामाजिक समता के लिए संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि आज भीमराव अम्बेडकर जी द्वारा रचित भारतीय संविधान खतरे में है। संवैधानिक संस्थाएं सरकार के दबाव में काम कर रही है। आज न्यायपालिका, चुनाव आयोग और प्रेस कोई स्वतंत्र नहीं रह गया है। उन्होंने सरकार की तानाशाही रवैए की चर्चा करते हुए कहा कि सरकार जनता की मौलिक अधिकारों का हनन कर रही है।भाजपा सरकार संविधान की भावनाओं से खेलने का काम कर रही है।वर्तमान भाजपा सरकार अपने हित में संविधान को तोड़ने मरोड़ने का काम कर रही है। संविधान की रक्षा के लिए हमें हर स्तर पर संघर्ष करने की जरूरत है। विधायक डॉ वीरेंद्र यादव ने कहा कि आज देश विकट परिस्थिति से गुजर रहा है। इस देश का संविधान, लोकतंत्र, गरीबों को मिलने वाला सामाजिक न्याय खतरे में है। देश के हुक्मरान डॉ भीमराव अम्बेडकर के संविधान को बदलना चाहते हैं लेकिन समाजवादी पार्टी अम्बेडकर जी के संविधान पर आंच नहीं आने देगी। संविधान की रक्षा के लिए समाजवादी पार्टी हर कीमत अदा करेगी। विधायक जै किशन साहू ने बाबा साहेब को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि बाबा साहेब का जीवन और उनके द्वारा किया गया संघर्ष हम सबके लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। देश की वर्तमान हुकूमत की तानाशाही नीतियों से हम बाबा साहेब के रास्ते पर चलकर ही देश को बचा सकते हैं। पुर्व सांसद जगदीश कुशवाहा ने कहा कि भाजपा सरकार पिछड़ों और गरीबों के हक को छिनना चाहती है। हमें बाबा साहेब के रास्ते पर चलकर पिछड़ों और गरीबों के हक और अधिकार को बचाने की जरूरत है। इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रदेश कार्यसमिति के विशेष आमंत्रित सदस्य रामधारी यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ नन्हकू यादव, खेदन यादव , सूरज राम बागी, रविन्द्र प्रताप यादव, देवनाथ कुशवाहा, मदन यादव, अरुण कुमार श्रीवास्तव , तहसीन अहमद, शिवशंकर यादव, राजेंद्र यादव, केसरी यादव, गोवर्धन यादव,रीता विश्वकर्मा, राजेश कुमार यादव ,अमित ठाकुर, दिनेश यादव, रमेश यादव, सुभाष यादव गुड्डू, पूजा गौतम, परशुराम बिंद, रीना यादव, कंचन रावत, चन्द्रबली यादव, टिंकू यादव,आलोक कुमार, रणजीत यादव, सुनील यादव, रामदरस पाल, संगीता यादव, अनिल यादव,जयराम यादव, देवेन्द्र यादव, उपेन्द्र यादव, अदनान खां, रामजी सोनकर, रमेश गोड़, डॉ राजेश रावत, पन्ना लाल, आदि उपस्थित थे। इस गोष्ठी का संचालन जिला उपाध्यक्ष कन्हैया लाल विश्वकर्मा ने किया।

संक्षिप्त खबरें

थाईलैंड: बस पेड़ से टकराई, 14 की मौत

बैंकॉक। पश्चिमी थाईलैंड में मंगलवार तड़के बस के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से 14 लोगों की मौत हो गई और 30 से अधिक लोग घायल हो गए। स्थानीय पुलिस अधिकारी के अनुसार हादसा प्रचुआप खिरी खान प्रांत में दक्षिण में सोंगखला प्रांत की ओर जा रही बस के पेड़ से टकरा जाने के कारण हुई। हुआय यांग पुलिस थाने के अधीक्षक ने कहा, हमें संदेह है कि बस चालक सो गया होगा, जिससे यह दुर्घटना हुई।' हादसे में बस चालक हादसे में बच गया।

श्रीलंका : लापता लोगों के मामले को निपटाएगा

कोलंबो। श्रीलंका के न्याय मंत्री विजयदास राजपक्षे ने कहा, लिट्टे के खिलाफ युद्ध समेत देश में अन्य संघर्षों के दौरान लापता हुए लोगों से संबंधित दर्ज 14,000 से अधिक मामलों का शीघ्र निपटारा किया जाएगा। उन्होंने मंगलवार को कहा, लापता लोगों की वर्तमान स्थिति का पता लगाने के लिए स्थापित विशेष कार्यालय ऑफिस ऑफ मिसिंग पर्सन अब तक लगभग 4,800 मामलों की जांच को अंतिम रूप दे चुका है।

400 रोहिंग्याओं से भरी दो नौकाएं फंसी

बैंकॉक। अंडमान सागर में दो नावें मार्ग भटक गई हैं। इन नावों पर तकरीबन 400 रोहिंग्या सवार हैं। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी ने उन्हें बचाने के लिए तत्काल कदम उठाए जाने की अपील करते हुए कहा है कि नावों पर पर्याप्त खाद्य सामग्री नहीं होने के कारण लोगों की मौत हो सकती है। एजेंसी के बैंकॉक स्थित प्रवक्ता ने बताया, नावें स्पष्ट रूप से बांग्लादेश से चली थीं।

पाक : स्कूल के बाहर विस्फोट, सात घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिम खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में मंगलवार को एक स्कूल के बाहर हुए विस्फोट में चार बच्चों सहित सात लोग घायल हो गए। बचाव दल ने यह जानकारी दी। जिला आपातकालीन अधिकारी नवीद अख्तर ने बताया कि यह घटना प्रांतीय राजधानी पेशावर में हुई, जहां आज एक स्कूल के पास सड़क के किनारे विस्फोट हो गया।

भारतीयों के लिए ब्रिटेन में काम करना मुश्किल

■ लंदन (आईएएनएस)।

■ ब्रिटिश सरकार ने सख्त किए वीजा नियम
■ परिवार को नहीं ले जा सकेंगे साथ
■ श्रमिकों के लिए वीजा सीमा बढ़ाया

ब्रिटिश सरकार द्वारा कुशल श्रमिक वीजा के लिए सीमा बढ़ाए जाने से लगभग तीन लाख गैर ब्रिटेन के लोग प्रभावित होंगे, जिनमें से कई भारतीय भी हैं। एक आवेदक का अब न्यूनतम वेतन 26,000 पाउंड से बढ़कर 38,700 पाउंड होना चाहिए।

हाउस ऑफ कॉमन्स में गृह सचिव जेम्स क्लेवरली ने कहा, बहुत हो गया। उन्होंने कहा, यह नीति यूके में नेट माइग्रेशन (शुद्ध प्रवासन) को कम करने के लिए डिजाइन की गई है। ब्रिटेन में रहने के लिए आने वाले लोगों और छोड़ने वाले लोगों की संख्या के बीच शुद्ध प्रवासन का अंतर 2022 में 745,000 था और यह पूरे ब्रिटेन के लोगों के बीच बेहद अलोकप्रिय हो गया है। यूरोपीय संघ (ईयू) से बाहर निकलने के लिए मुख्य तर्कों में से एक आप्रवासन को नियंत्रित करना था जिसे यूरोपीय संघ में लोगों की अनिवार्य मुक्त आवाजाही को रोका नहीं जा सकता था। इसे भारत सहित दुनिया के अन्य हिस्सों से ब्रिटेन में आने वाले लोगों ने हराया है। हालांकि स्वास्थ्य और सामाजिक देखभाल वीजा पर आने वाले ज्यादातर नर्सों को उच्च वेतन सीमा से छूट दी जाएगी। उन्हें अपने आश्रितों अर्थात अपने साथियों और बच्चों को अपने साथ लाने की अनुमति नहीं होगी।

जेम्स क्लेवरली ने कहा कि इससे स्वास्थ्य और देखभाल वीजा का दुरुपयोग बंद हो जाएगा। यूके में नर्सें भारत के साथ-साथ एशिया अफ्रीका और वेस्ट इंडीज के अन्य हिस्सों से भी आती हैं। जेम्स क्लेवरली ने कहा, सितम्बर 2023 को समाप्त होने वाले वर्ष में एक लाख देखभाल कर्मियों और वरिष्ठ देखभाल कर्मियों के साथ लगभग 120,000 आश्रित थे। अनुमान है कि केवल 25 प्रतिशत आश्रित ही काम पर हैं, जिसका अर्थ है कि एक महत्वपूर्ण संख्या सार्वजनिक सेवाओं का लाभ उठा रही है। इस साल की शुरुआत में ब्रिटेन में आश्रितों को लाने वाले छात्रों के लिए सख्त नियमों की घोषणा की गई थी। स्नातक छात्रों को अब अपने साथी या बच्चों को लाने की अनुमति नहीं है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि विदेशी नौकरी चाहने वालों द्वारा देय स्वास्थ्य अधिभार 66 प्रतिशत बढकर 624 पाउंड से 1,035 पाउंड हो जाएगा।

इस कदम की आलोचना किए बिना विपक्षी लेबर पाटी शैडो गृह सचिव यवेटे कूपर ने कहा कि नए प्रस्ताव इस कंजर्वेटिव सरकार की वर्षों की पूर्ण विफलता की स्वीकारोक्ति है। उन्होंने प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की आलोचना करते हुए कहा कि वह स्पष्ट रूप से बिना स्टीयरिंग के घूम रहे हैं और उन्हें हर जगह धकेला जा रहा है। स्कॉटिश नेशनल पार्टी के प्रवक्ता ने कहा कि क्लेवरली की घोषणा का मूल्यांकन इस आधार पर किया जाएगा कि यह सही है या नहीं। इंडिपेंडेंट केयर ग्रुप के अध्यक्ष ने चेतावनी दी, मुझे लगता है कि हम देखेंगे कि और अधिक व्यवसाय विफल हो जाएंगे, केयर होम बंद हो जाएंगे। ऐसा प्रतीत होता है कि यूके में मास्टर डिग्री पूरी करने के बाद उपलब्ध पोस्ट-स्टडी वर्क (पीएसडब्ल्यू) वीजा अभी तक नए दिशानिर्देशों के तहत नहीं आएगा। इससे भारतीय छात्रों को राहत मिलेगी, जिनकी संख्या 2021-22 में 120,000 थी।

लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के खिलाफ हरियाणा, राजस्थान में छापे

नई दिल्ली।

■ धनशोधन मामले में ईडी की कार्रवाई

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के खिलाफ धनशोधन की जांच के सिलसिले में मंगलवार को हरियाणा तथा राजस्थान में कई स्थानों पर छापे मारे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। केंद्रीय जांच एजेंसी धन शोधन रोकथाम कानून के प्रावधानों के तहत की जा रही जांच के तहत दो राज्यों में करीब 12 स्थानों पर तलाशी ले रही है।

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए), हरियाणा पुलिस और कुछ अन्य राज्य की पुलिस ने बिश्नोई और उसके साथी सतविंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड के खिलाफ प्राथमिकियां दर्ज की हैं और आरोप पत्र दाखिल किए हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने इन्हीं प्राथमिकियों एवं आरोप पत्रों के आधार पर कार्रवाई की है। अभी जेल में बंद बिश्नोई पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या मामले के आरोपियों में से एक है। ईडी इन आरोपों की जांच कर रहा है कि बिश्नोई और उसके गिरोह के सदस्य वसूली और मादक पदार्थ तथा हथियारों की तस्करी के जरिए भारत में जुटायी रकम कनाडा तथा अन्य देशों में भेज रहे थे जिसका इस्तेमाल खालिस्तान समर्थक कर रहे थे।

पंजाब के फाजिल्का का रहने वाला बिश्नोई 2014 के बाद से जेल में बंद है। उसे राजस्थान पुलिस के साथ एक मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया गया था। उसे 2021 में दिल्ली की तिहाड़ जेल लाया गया। बाद में 14 जून 2022 को पंजाब पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया था और उसे 29 मई को पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या के संबंध में पंजाब ले जाया गया।

इस्राइल ने तेज की बमबारी

■ खान यूनिस (एपी)।

■ गाजा के दूसरे सबसे बड़े शहर और उसके आसपास हमले और बढ़े

इस्राइल ने गाजा में युद्ध के नए खूनी चरण के तहत गाजा के दूसरे सबसे बड़े शहर खान यूनिस में और उसके आस पास मंगलवार सुबह अपनी बमबारी और तेज कर दी, जिसके बाद एंबुलेंस और निजी कारें घायलों को स्थानीय अस्पताल ले जाते दिखीं।

व्यापक जनहानि से बचने के अमेरिका के दबाव के तहत इस्राइल ने कहा है कि हमला अधिक सटीकता से किया जा रहा है। इस्राइल, उत्तर के अधिकांश हिस्से को नष्ट करने के बाद दक्षिणी गाजा में अपना आक्रमण बढ़ा रहा है। हवाई बमबारी और जमीनी हमले ने पहले ही क्षेत्र के 23 लाख लोगों में से तीन-चौथाई को अपने घरों को छोड़ने पर मजबूर कर दिया है। खान यूनिस के नासिर अस्पताल में एम्बुलेंस रात भर में दर्जनों घायल लोगों को लेकर पहुंची। एक स्थान पर एक कार रुकी और एक आदमी खून से लथपथ एक युवा लड़के को लेकर बाहर आया, जिसका हाथ बमबारी में उड़ गया था।

आपातकालीन विभाग के बाहर एक महिला पूछती रही, 'रेड क्रॉस कहां है? ...संयुक्त राष्ट्र कहां है?' उसने कहा, 'रात 10 बजे से मेरे बच्चे अब तक मलबे में हैं।' रविवार को ली गई सैटेलाइट तस्वीरों में टैंक और सैनिकों को खान यूनिस के बाहर जमा होते देखा गया जो कि आक्रामक हमले का हालिया निशाना है और युद्ध से पहले 4 लाख से अधिक लोगों का घर था। इस्राइल ने जिस तरह से उत्तर के इलाकों से लोगों को जाने को कहा था वैसे ही उसने पूरे क्षेत्र के बजाय लगभग दो दर्जन आस पास के इलाकों से लोगों को बाहर करने का आदेश दिया है। गाजा की अधिकांश आबादी पहले ही दक्षिण में संयुक्त राष्ट्र आश्रयों और पारिवारिक घरों में सिमट चुकी है, इसलिए ऐसे कुछ ही स्थान बचे हैं जिन्हें खाली कराया जाना है। इस्राइल ने युद्ध की शुरुआत में उत्तर से भागे लोगों को वहां लौटने से रोक दिया है।

फिलिस्तीनियों ने कहा कि इस्राइल के इस क्षेत्र में हमले जारी हैं, ऐसे में कोई क्षेत्र नहीं बचा है जहां वे सुरक्षित महसूस करते हों और कई लोगों को डर है कि अगर वे अपने घरों को छोड़ देंगे तो उन्हें कभी वापस लौटने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

मानवीय आपूर्ति ले जाने वाले 100 ट्रक गाजा में दाखिल

■ गाजा (आईएएनएस)।

मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय ने बताया कि इस्राइली हमलों के बीच पिछले 24 घंटों में केवल 100 सहायता ट्रक रफा सीमा के माध्यम से मिस्र से गाजा पट्टी में प्रवेश कर पाए।

मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय ने कहा कि 69,000 लीटर ईंधन गाजा में प्रवेश किया, जो पिछले दिन के समान ही था। संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने कहा कि यह 24 से 30 नवम्बर के बीच लागू मानवीय विराम के दौरान प्रवेश किए गए 170 ट्रकों और 110,000 लीटर ईंधन के दैनिक औसत से काफी कम है। सात दिवसीय मानवीय विराम समाप्त होने के बाद इस्राइल ने 1 दिसम्बर को गाजा पर फिर से हमला करना शुरू कर दिया, दोनों युद्धरत पक्षों ने एक-दूसरे पर संघर्ष विराम का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। तब से गाजा में हवाई, जमीन और समुद्र से इस्राइली बमबारी के साथ-साथ जमीनी कार्रवाई और लड़ाई काफी तेज हो गई है, जबकि फिलिस्तीनी सशस्त्र समूहों द्वारा इस्राइल पर रॉकेट दागना जारी है।

रविवार से सोमवार के बीच गाजा में सबसे भारी गोलाबारी देखी गई। गाजा में हमास-नियंत्रित स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, 1 दिसम्बर से मंगलवार की सुबह तक, नए सिरे से हुई लड़ाई में कम से कम 349 फिलिस्तीनी मारे गए हैं और 750 घायल हुए हैं।

केन्या को 25 करोड़ डॉलर ऋण देगा भारत : मोदी

■ नई दिल्ली।

■ प्रधानमंत्री मोदी ने केन्याई राष्ट्रपति विलियम समोई रुतो से व्यापक वार्ता के बाद की घोषणा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत की यात्रा पर आए केन्याई राष्ट्रपति विलियम समोई रुतो के साथ व्यापक वार्ता के बाद मंगलवार को केन्या को उसके कृषि क्षेत्र के आधुनिकीकरण के लिए 25 करोड़ डॉलर की ऋण सुविधा देने के भारत के फैसले की घोषणा की। रुतो दोनों देशों के बीच समग्र संबंधों का विस्तार करने के उद्देश्य से तीन दिवसीय यात्रा पर सोमवार को यहां पहुंचे।

मोदी ने वार्ता के बाद मीडिया को जारी बयान में कहा कि अपनी विदेश नीति में भारत ने हमेशा अफ्रीका को उच्च प्राथमिकता दी है और पिछले करीब एक दशक में मिशन मोड पर इस महाद्वीप के साथ अपने समग्र संबंधों का विस्तार किया है। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि राष्ट्रपति रूतो की भारत यात्रा से न केवल द्विपक्षीय संबंध मजबूत होंगे बल्कि अफ्रीका के साथ हमारे संबंधों को नई गति मिलेगी। प्रधानमंत्री ने इस बात पर खुशी जताई कि अफ्रीकन यूनियन के जी20 में शामिल होने के कुछ समय बाद ही रुतो की भारत यात्रा हो रही है। भारत की विदेश नीति में अफ्रीका को हमेशा उच्च प्राथमिकता का स्थान दिया गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा, भारत केन्या को उसके कृषि क्षेत्र के आधुनिकीकरण के लिए 25 करोड़ डॉलर की ऋण सुविधा उपलब्ध कराएगा। एक प्रगतिशील भविष्य की नींव रखते हुए आज हमने सभी क्षेत्रों में अपना सहयोग सुदृढ़ करने पर विचार किया। और कई नई पहल की पहचान भी की। भारत और केन्या के बीच आपसी व्यापार और निवेश में लगातार प्रगति हो रही है। हमारे आर्थिक सहयोग के पूरी क्षमता के दोहन के लिए हम नए अवसरों की तलाश जारी रखेंगे। भारत केन्या के लिए एक विश्वसनीय और प्रतिबद्ध विकास साझेदार रहा है।

मोदी ने कहा, दो कृषि प्रधान अर्थव्यवस्थाओं के रूप में भारत और केन्या ने अपने अनुभव साझा करने पर सहमति जताई। केन्या के कृषि क्षेत्र का आधुनिकिकरण करने के लिए हमने ढाई सौ मिलियन डॉलर की ऋण सुविधा प्रदान करने का भी निर्णय लिया है।

नाइजीरियाई सेना के ड्रोन हमले में 85 मरे

■ अबुजा (एपी)।

उत्तर पश्चिमी नाइजीरिया में एक धार्मिक सभा पर सेना द्वारा 'गलती से किए गए' ड्रोन हमले में कम से कम 85 लोगों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

नाइजीरियाई राष्ट्रपति बोला टीनुबू ने मंगलवार को नाइजीरिया के संघर्ष क्षेत्रों में गलती के चलते होने वाली इस नवीनतम घटना की जांच का आदेश दिया। नाइजीरिया की राष्ट्रीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी ने एक बयान में कहा, 'अब तक 85 शवों को दफनाया जा चुका है और तलाश अभी भी जारी है। कम से कम 66 लोग घायल हुए हैं।' लागोस से संचालित सुरक्षा कंपनी एसबीएम इंटेलिजेंस के अनुसार, देश के उत्तरी क्षेत्र में गंभीर सुरक्षा संकट के बीच सशस्त्र समूहों को निशाना बनाने के लिए सेना द्वारा किए जाने वाले हवाई हमलों में 2017 से लेकर अब तक लगभग 400 आम नागरिक मारे गए हैं। कादुना राज्य के तुदुन गांव में रविवार की रात लोग तब मारे गए, जब वे आतंकवादियों और दस्युओं को निशाना बनाने के लिए सेना द्वारा किए गए ड्रोन हमले की चपेट में आ गए।

पश्चिम सुमात्रा (इंडोनेशिया) के माउंट मारापी में मंगलवार को फूटे ज्वालामुखी से निकलता लावा।

राष्ट्रपति पद की चौथी बहस में शामिल होंगे चार रिपब्लिकन उम्मीदवार

वाशिंगटन (आईएएनएस)। रिपब्लिकन नेशनल कमेटी (आरएनसी) ने घोषणा की है कि भारतीय-अमेरिकी निक्की हेली और विवेक रामास्वामी समेत राष्ट्रपति पद के चार रिपब्लिकन उम्मीदवार अलबामा में बुधवार रात को होने वाली चौथी बहस के लिए अर्हता प्राप्त कर चुके हैं। अन्य दो उम्मीदवार फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस और न्यू जर्सी के पूर्व गवर्नर क्रिस क्रिस्टी हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति पद के चार उम्मीदवार टस्कलोसा में आमने-सामने होंगे, जो इस साल अब तक का सबसे छोटा बहस चरण होगा। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, जो रिपब्लिकन नामांकन के लिए वर्तमान में सबसे आगे हैं, इस कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे।

दुष्प्रचार कर रहे हैं टीएमसी के नेता : केंद्रीय मंत्री

■ नई दिल्ली (एसएनबी)।

■ साध्वी निरंजन ज्योति ने लगाया 'राजनीतिक रोटियां' सेंकने का आरोप

पश्चिम बंगाल में केंद्रीय योजनाओं का पैसा रोकने और केंद्रीय मंत्री के मुलाकात नहीं करने के तृणमूल कांग्रेस के दावों को खारिज करते हुए केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने उस पर 'दुष्प्रचार करने' और 'राजनीतिक रोटियां' सेकने का आरोप लगाया। लोकसभा में प्रश्नकाल में तृणमूल कांग्रेस के नेता सुदीप बंदोपाध्याय के प्रश्न का उत्तर देते हुए ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ज्योति ने कहा कि इन्हें (तृणमूल कांग्रेस नेताओं को) पश्चिम बंगाल की जनता की चिंता नहीं है और इन्हें केवल 'राजनीतिक रोटियां' सेकनी हैं।

बंदोपाध्याय ने राज्य के लिए आवंटित मनरेगा योजना का केंद्रीय धन पिछले दो साल से रोके जाने का दावा करते हुए केंद्र सरकार से मांग की कि इसे तत्काल जारी किया जाए। उन्होंने सोमवार को शून्यकाल में भी इस विषय को उठाया था और केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति पर तृणमूल कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल से इस विषय पर मुलाकात नहीं करने का आरोप लगाया था।

बंदोपाध्याय ने आज भी प्रश्नकाल के दौरान कहा कि तृणमूल कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल ग्रामीण विकास मंत्री से मिलने यहां आया था, उनसे मुलाकात नहीं हो सकी और जब राज्य मंत्री के घर गए तो वह भी बिना मिले चली गईं। ज्योति ने तृणमूल कांग्रेस के दावे को झूठा बताते हुए कहा कि पांच लोगों के मिलने के लिए उनसे आधे घंटे का समय मांगा गया था, उसके बाद कहा गया कि दस लोग मिलेंगे और फिर कहा गया कि जनता से मिलिए। मंत्री ने कहा, 'मैंने कहा कि पहले प्रतिनिधिमंडल को बात करनी चाहिए। मैं शाम को छह बजे से रात साढ़ आठ बजे तक ढाई घंटे बैठी रही लेकिन मिलने नहीं आए और आरोप लगाया कि मैं पिछले गेट से निकल गई।' उन्होंने कहा कि वह जिस गेट से रोजाना आती और जाती हैं, उससे ही निकली थीं।

उन्होंने कहा, 'इन्हें पश्चिम बंगाल की जनता की चिंता नहीं है। बस दुष्प्रचार करना है और राजनीतिक रोटियां सेकनी हैं।' इससे पहले बंदोपाध्याय ने कहा कि सरकार पश्चिम बंगाल में योजनाओं के लिए आवंटित धन में भ्रष्टाचार का आरोप लगाती है।

एकध्रुवीय व्यवस्था की जगह लेगी नई बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था : पुतिन

मॉस्को (आईएएनएस)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोमवार को एक समारोह के दौरान कहा कि एक अधिक न्यायसंगत बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था अनिवार्य रूप से पुरानी एकध्रुवीय प्रणाली को विस्थापित करेगी। इस दौरान उन्होंने 21 नए विदेशी राजदूतों से मुलाकात की। उन्होंने कहा, दुनिया अशांति की स्थिति में है और आमूल-चूल परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। हालांकि एक अंतर्निहित प्रवृत्ति यह तथ्य है कि एक निष्पक्ष बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था पिछली एकध्रुवीय प्रणाली की जगह ले रही है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, पुतिन ने इस बदलाव को एक उद्देश्यपूर्ण प्रक्रिया कहा, जो अपरिवर्तनीय भी है। राष्ट्रपति ने आगे कहा कि रूस एक स्वतंत्र विदेश नीति अपनाना जारी रखेगा और सभी देशों के साथ रचनात्मक साझेदारी के लिए विकल्प खुला रखेगा। उन्होंने कहा, हमारे देश का किसी के प्रति कोई पक्षपातपूर्ण...शत्रुतापूर्ण इरादा नहीं है। उन्होंने कहा कि रूस किसी भी तरह के ब्लॉक टकराव या संयुक्त राष्ट्र चार्टर में निहित सिद्धांतों के विपरीत चलने वाले किसी भी फैसले को खारिज करता है।

रूस ने यूक्रेन के दक्षिणी शहर को बनाया निशाना, दो मृत

कीव (एपी)। रूसी सेना ने मंगलवार सुबह यूक्रेन के दक्षिणी शहर खेरसान पर हमला किया, जिसमें कम से कम दो लोग मारे गए। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। क्षेत्रीय गवर्नर ओलेक्सांद्र प्रोकुदीन ने हमले के बाद एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें शहर की एक सड़क पर दो शव पड़े हुए देखे जा सकते हैं। खेरसान शहर प्रशासन के प्रमुख रोमन मरोचको ने कहा कि हमले में दो चिकित्साकर्मी भी घायल हुए हैं। रूसी अधिकारियों ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने क्रीमिया पर एक अन्य यूक्रेनी हमले का जवाब दिया है, जबकि यूक्रेन के अधिकारियों ने कहा कि वायु रक्षा प्रणाली ने रूसी सैनिकों के ड्रोन और मिसाइल हमले का जवाब दिया। दोनों में से किसी भी पक्ष ने इसमें किसी के हताहत होने या क्षति पहुंचने की सूचना नहीं दी है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि वायु रक्षा प्रणाली ने मंगलवार तड़के क्रीमिया और अजोव सागर के ऊपर 22 यूक्रेनी ड्रोन को नष्ट कर दिया और 13 को रोक दिया। इसके शीघ्र बाद, अन्य चार ड्रोन मार गिराये गए और दो को रोका गया।

रूस ने मोल्दोवा से फलों और सब्जियों के आयात पर लगाया प्रतिबंध

मॉस्को (आईएएनएस)। रूस की संघीय पशु चिकित्सा और फाइटोसैनिटरी निगरानी सेवा (रोसेलखोज्नदजोर) ने सोमवार को मोल्दोवा से फलों और सब्जियों पर आयात प्रतिबंध लगा दिया है। कृषि निगरानी संस्था ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा, रोसेलखोज्नदज़ोर को 4 दिसम्बर, 2023 से मोल्दोवा गणराज्य से रूस में विनियमित उत्पादों के आयात पर 2022 में लगाए गए प्रतिबंधों को बहाल करने के लिए मजबूर किया गया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, बयान में कहा गया है कि सब्जियों और फलों में क्वारंटीन के अधीन तत्वों की चल रही पहचान से रूस में कृषि उत्पादन को अरबों डॉलर का नुकसान हो सकता है और मोल्दोवा इन उत्पादों की आपूर्ति को रोकने के लिए प्रभावी उपाय करने में विफल रहा है। हालांकि खाद्य सुरक्षा के लिए मोल्दोवन राष्ट्रीय एजेंसी ने इस निर्णय को निराधार बताया है।

बाइडन ने भारतवंशी देवेन पारेख को दी प्रमुख जिम्मेदारी

■ वाशिंगटन (आईएएनएस)।

■ अंतरराष्ट्रीय विकास वित्त निगम के निदेशक मंडल में किया नामित

भारतीय मूल के पूंजीपति देवेन पारेख को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने नए कार्यकाल के लिए अंतरराष्ट्रीय विकास वित्त निगम के निदेशक मंडल में नामित किया है। पारेख न्यूयॉर्क शहर में स्थित ग्रोथ इक्विटी इन्वेस्टमेंट फंड इनसाइट पार्टनर्स में प्रबंध निदेशक हैं। कानून के अनुसार विकास वित्त निगम निदेशक मंडल में सीनेट और हाउस नेतृत्व से राष्ट्रपति की सिफारिश पर चार सदस्य शामिल होते हैं।

व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा कि पारेख सीनेट के बहुमत नेता द्वारा अनुशंसित उम्मीदवार हैं। 2000 में इनसाइट में शामिल होने के बाद से पारेख ने उत्तरी अमेरिका, यूरोप, एशिया, मध्य पूर्व, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया सहित वैश्विक स्तर पर एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर डेटा और उपभोक्ता इंटरनेट व्यवसायों में 140 से अधिक निवेश किए हैं। इनसाइट और डेवलपमेंट फाइनेंस कॉरपोरेशन में अपने काम के अलावा पारेख काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस, कार्नेगी एंडोमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस, एनवाईयू लैंगोन, टिश न्यूयॉर्क एमएस रिसर्च सेंटर और इकोनॉमिक क्लब ऑफ न्यूयॉर्क के बोर्ड सदस्य के रूप में कार्य करते हैं। वह पहले ओवरसीज प्राइवेट इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन के बोर्ड, यूएस एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट बैंक के सलाहकार बोर्ड और संघीय संचार आयोग की तकनीकी सलाहकार परिषद में काम कर चुके हैं।

जलवायु परिवर्तन दर का बढ़ना चिंताजनक

■ दुबई (भाषा)।

■ जलवायु परिवर्तन के चलते भारत के लिए 2011 से 2020 तक का समय नम और गर्म रहा

संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन में मंगलवार को विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) द्वारा जारी की गई एक नई रिपोर्ट में कहा गया है कि जलवायु परिवर्तन की बिगड़ती स्थिति के चलते भारत के लिए 2011-2020 का दशक नम और गर्म रहा। जलवायु की दशकीय स्थिति 2011-2020 नामक रिपोर्ट में कहा गया कि इस अवधि के दौरान जलवायु परिवर्तन की दर चिंताजनक रूप से बढ़ी, जो रिकॉर्ड में सबसे गर्म दशक रहा।

पिछले सप्ताह संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन (यूएन सीओपी28) में जारी 2023 की अनंतिम वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया कि 2023 रिकॉर्ड में सबसे गर्म वर्ष होगा। मौसम, जलवायु और जल संसाधनों पर काम करने वाले डब्लूएमओ ने कहा कि यह उत्तर पश्चिमी भारत, पाकिस्तान, चीन और अरब प्रायद्वीप के दक्षिणी तट के लिए 'नम दशक' रहा। दशक 2011-2020 में अत्यधिक गर्म दिनों से संबंधित घटनाक्रम दक्षिण-पूर्वी एशिया के कुछ हिस्सों, अधिकांश यूरोप, दक्षिण अफ्रीका, मैक्सिको और पूर्वी ऑस्ट्रेलिया के कुछ हिस्सों में 1961-1990 के औसत से लगभग दोगुना रहा। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में जून 2013 में मानसून के मौसम में सर्वाधिक भीषण बाढ़ आने का घटनाक्रम हुआ और भारी बारिश, पर्वतीय बर्फ के पिघलने तथा हिमनद झील के फटने से उत्तराखंड में अत्यधिक बाढ और भूस्खलन में 5,800 से अधिक लोग मारे गए।

इसमें कहा गया कि केरल 2018 में बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हुआ था, और 2019 तथा 2020 में, पिछले 25 वर्षों में भारत के दो सबसे गर्म मानसून सत्रों में तीव्र एवं व्यापक बाढ देखी गई। भारत और पड़ोसी देशों में बाढ से 2000 से अधिक लोगों की मौत हुई। रिपोर्ट के अनुसार, दशक 2011-2020 के दौरान सूखे का काफी अधिक सामाजिक-आर्थिक और मानवीय प्रभाव पड़ा। स्वयं भारत में, 28 राज्यों में से 11 में सूखा घोषित किया गया, जिससे खाद्य और जल असुरक्षा पैदा हो गई। पानी की उपलब्धता एवं इसकी आपूर्ति तक पहुंच में असमानताओं के कारण स्थिति और भी गंभीर हो गई थी। डब्लूएमओ की रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनियाभर में ग्लेशियर प्रति वर्ष लगभग एक मीटर पतले हो रहे हैं, जिसका लाखों लोगों की जल आपूर्ति पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ रहा है। इसमें कहा गया है कि अंटार्कटिक महाद्वीप की हिम चादर में 2001-2010 की तुलना में 2011-2020 के बीच लगभग 75 प्रतिशत से अधिक बर्फ कम हो गई और इसके परिणामस्वरूप समुद्र के स्तर में वृद्धि से भविष्य में निचले तटीय क्षेत्रों और राज्यों का अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा।

डब्ल्यूएमओ महासचिव पेटेरी तालास ने कहा, 1990 के दशक के बाद से प्रत्येक दशक पिछले दशक की तुलना में अधिक गर्म रहा है और हमें इसके रुकने का तत्काल कोई संकेत नहीं दिखता है। किसी भी अन्य दशक की तुलना में अधिक देशों में रिकॉर्ड उच्च तापमान दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि दुनिया के महासागर तेजी से गर्म हो रहे हैं और एक पीढी से भी कम समय में समुद्र के स्तर में वृद्धि की दर लगभग दोगुनी हो गई है। तालास ने कहा कि दुनिया पिघलते ग्लेशियरों और बर्फ की चादरों को बचाने की दौड़ में हार रही है, जो स्पष्ट रूप से मानव गतिविधियों के चलते ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का परिणाम है।

खबर संक्षेप

अदाणी ग्रीन ने ग्लोबल बैंक से 1.36 अरब डॉलर जुटाए

नई दिल्ली। अदाणी ग्रीन एनर्जी (एजीईएल) ने मंगलवार को घोषणा की कि उसने अंतरराष्ट्रीय बैंकों के एक संघ से 1.36 अरब अमेरिकी डॉलर जुटाए हैं। एजीईएल की ओर से जारी बयान के अनुसार, मार्च 2021 में प्रारंभिक परियोजना वित्तपोषण के बाद से 1.36 अरब अमेरिकी डॉलर के वित्त पोषण से कंपनी का कुल कोष बढ़कर तीन अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। हरित ऋण सुविधा गुजरात के खावड़ा में दुनिया के सबसे बड़े नवीकरणीय ऊर्जा पार्क के विकास को सक्षम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

जनवरी-फरवरी में चाय का निर्यात 4.93 फीसदी घटा

कोलकाता। भारत से चाय का निर्यात जनवरी से सितंबर के दौरान 4.93 प्रतिशत घटकर 15.792 करोड़ किलोग्राम रह गया। चाय बोर्ड के नवीनतम आंकड़ों में यह बात सामने आई। वर्ष 2022 के पहले नौ महीनों में निर्यात 16.611 करोड़ किलोग्राम रहा था। आंकड़ों के अनुसार, उत्तर भारत में मुख्य तौर पर असम और पश्चिम बंगाल राज्यों में समीक्षाधीन अवधि में चाय का निर्यात 6.61 प्रतिशत गिरकर 9.628 करोड़ किलोग्राम रह गया, जबकि एक साल पहले इसी नौ महीने में यह 10.309 करोड़ किलोग्राम था।

आईनॉक्स इंडिया को सेबी से आईपीओ के लिए मंजूरी

नई दिल्ली। क्रायोजेनिक टैंक निर्माता आईनॉक्स इंडिया और लक्जरी फर्नीचर ब्रांड स्टेनली लाइफस्टाइल को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये धन जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी की मंजूरी मिल गई है। दोनों कंपनियों ने अगस्त और सितंबर में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास आईपीओ के लिए दस्तावेज दाखिल किए थे। इन कंपनियों को सेबी का निष्कर्ष पत्र 29-30 नवंबर को मिला है।

रॉयल एनफील्ड 'रीओन' सुविधा करेगी शुरू

नई दिल्ली। मोटरसाइकिल निर्माता रॉयल एनफील्ड अपनी पुरानी बाइक को खरीदने और बेचने की पहल ला रही है। कंपनी ने 'रीओन' नाम की एक सुविधा शुरू की है। इसमें पुरानी मोटरसाइकिलों को मौजूदा तथा संभावित ग्राहकों को रॉयल एनफील्ड मोटरसाइकिल खरीदने या बेचने का विकल्प दिया जाएगा। रॉयल एनफील्ड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बी. गोविंदराजन ने एक बयान में कहा, हम 'रीओन' पहल को पुरानी रॉयल एनफील्ड मोटरसाइकिल खरीदते समय ग्राहकों की पहुंच तथा विश्वास संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए उपयुक्त मानते हैं।

एकम्स ने बद्दी में की एक सुविधा का अधिग्रहण

नई दिल्ली। एकम्स ड्रग्स एंड फार्मास्यूटिकल्स ने हिमाचल प्रदेश के बद्दी में एक 'फॉर्मूलेशन' सुविधा का अधिग्रहण किया है। यह संयंत्र करीब छह एकड़ में फैला हुआ है। वर्तमान में इसमें काम जारी है और अगले साल इसके शुरू होने की उम्मीद है। एकम्स के संयुक्त प्रबंध निदेशक संजीव जैन ने एक बयान में कहा, 'बद्दी सुविधा के अधिग्रहण से बाजार में गतिशीलता आएगी, जो हमारी कंपनी की योजनाबद्ध दूरदर्शिता तथा सक्रिय दृष्टिकोण का एक स्पष्ट संकेत है।'

2623 लोग डकार गए बैंकों के 1.96 लाख करोड़ रुपए, नहीं वसूल पा रहे बैंक पैसा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

हम सभी को बैंक से लोन लेने के लिए तमाम पापड़ बेलने पड़ते हैं। इसके बाद यदि आपकी एक किस्त भी चूक जाए तो बैंक आपका जीना हराम कर देते हैं। आपका क्रेडिट स्कोर खराब करके आगे के लिए मुसीबतें खड़ी कर देते हैं। मगर, इस देश में ऐसे 2623 ऐसे लोग भी हैं, जिन्होंने विभिन्न बैंकों का 1.96 लाख करोड़ रुपए हजम कर लिया है और डकार भी नहीं ली। केंद्र सरकार ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार मार्च, 2023 तक देश में 2623 विलफुल डिफॉल्टर हैं। ये वो लोग हैं, जिनके पास 5 करोड़ या उससे ज्यादा रुपए फंसे हैं। इनके पास बैंकों का 1,96,049 करोड़ रुपए फंसा हुआ है। ये जानबूझकर उस पैसे को वापस नहीं कर रहे हैं। तमाम कोशिशों के बावजूद बैंक इनसे पैसा निकलने में सफल नहीं हो पाए हैं।

2.09 लाख करोड़ रुपए की कर्जमाफी से बैंकिंग सिस्टम को लगा चूना

बट्टे खाते का आधा बड़ी कंपनियां हजम कर गईं

वित्तराज्य मंत्री भागवत कराड ने बताया कि वित्त वर्ष 2022-23 में बैंकों ने जितने भी लोन बट्टे खाते में डाले, उनमें से आधे से ज्यादा बड़ी कंपनियों एवं सर्विसेज के थे। पिछले वित्त वर्ष में कुल 2.09 लाख करोड़ रुपए के लोन माफ (राइट ऑफ) किए गए। इनमें से 1.09 लाख करोड़ रुपए के कर्ज बड़ी कंपनियों के थे। यह आंकड़ा 52.3 फीसदी होता है।

4 साल में 10.57 लाख करोड़ रुपए के लोन माफ

कराड ने बताया कि बैंकों ने वित्त वर्ष 2018-19 से 2022-23 के बीच चार साल में 10.57 लाख करोड़ रुपए के कर्ज माफ किए। इनमें से बड़े कारोबारियों का हिस्सा 5.55 लाख करोड़ रुपए था। यह बट्टे खाते में डाले गए कुल कर्ज का 52.5 फीसद हिस्सा है।

बैंकों ने 5,309.80 करोड़ रुपए जुर्माना वसूला

पिछले फाइनेंशियल इयर में बैंकों ने 5,309.80 करोड़ रुपए जुर्माना वसूला है। वित्त राज्यमंत्री कराड ने बताया कि इसमें लोन भुगतान में देरी का जुर्माना भी शामिल है। सेंट्रल रिपोजिटरी ऑफ इनफॉर्मेशन ऑन लार्ज क्रेडिट्स के अनुसार, इस साल 31 मार्च तक 2,623 लोग विलफुल डिफॉल्टर घोषित किए जा चुके हैं।

एफएआई ने डाय-अमोनियम फॉस्फेट का दिया हवाला

डीएपी की वैश्विक कीमतों में उछाल की वजह से ऊंची सब्सिडी की जरूरत

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारतीय उर्वरक संघ (एफएआई) ने पिछले कुछ महीनों में डाय-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) की वैश्विक कीमतों में बढ़ोतरी का हवाला देते हुए कहा है कि अगर अंतरराष्ट्रीय बाजार में दरें ऊंची बनी रहीं तो या तो सरकारी सब्सिडी या फिर अधिकतम खुदरा कीमत (एमआरपी) में बढ़ोतरी करने की जरूरत होगी। मौजूदा समय में उर्वरक कंपनियां 50 किलोग्राम की प्रति बोरी डीएपी की बिक्री 1,350 रुपये पर कर रही हैं। उर्वरक उद्योग के निकाय एफएआई के अध्यक्ष एन सुरेश कृष्णन ने कहा कि डीएपी की वैश्विक कीमतें इस साल जुलाई में 440 डॉलर प्रति टन से बढ़कर 595 डॉलर प्रति टन हो गई हैं।

- अंतरराष्ट्रीय बाजार में दरें ऊंची बनी हुई

50 किलोग्राम की बोरी की बिक्री 1350 रुपए में

नैनो यूरिया की खपत बढ़ रही

एफएआई के अध्यक्ष ने कहा कि नैनो यूरिया की खपत भी बढ़ रही है और उम्मीद है कि पारंपरिक यूरिया के स्थान पर नैनो-यूरिया वर्ष 2030 तक कुल मांग का 20 प्रतिशत पूरा कर सकता है। अप्रैल से अक्टूबर, 2023 की अवधि के दौरान यूरिया, डीएपी और एनपी/एनपीके जटिल उर्वरकों का उत्पादन बढ़ा लेकिन एसएसपी के उत्पादन में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में गिरावट देखी गई।

डीएपी की लाभप्रदता थोड़ी चुनौती बनी

अप्रैल, 2022 में डीएपी की कीमत 924 डॉलर प्रति टन थी। उन्होंने कहा, 'इस समय मौजूदा आयात मूल्य के साथ डीएपी के मामले में लाभप्रदता थोड़ी चुनौती होगी। अगर वैश्विक कीमतें मौजूदा स्तर पर बनी रहती हैं, तो हमें या तो अधिक एमआरपी या सरकार से अधिक समर्थन की आवश्यकता हो सकती है।'

अमोनिया की कीमतों में भी ऐसा ही रुझान

अमोनिया की कीमतों ने भी इसी तरह का रुझान दिखाया है जो अप्रैल, 2022 में 1,530 डॉलर प्रति टन थीं, जुलाई, 2023 में घटकर 285 डॉलर रह गई और अक्टूबर, 2023 में फिर से बढ़कर 575 डॉलर प्रति टन हो गई हैं। यूरिया उत्पादन भी अपनी 80-85 प्रतिशत आवश्यकता को पूरा करने के लिए आयातित आरएलएनजी (रीगैसीफाइड तरलीकृत प्राकृतिक गैस) पर काफी हद तक निर्भर है।

क्षेत्र की लाभप्रदता को प्रभावित कर रही

एफएआई ने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय मूल्य में अस्थिरता और रबी 2023-24 के लिए एनबीएस दरों में गिरावट पीएंडके (फॉस्फेटिक और पोटाश) क्षेत्र की लाभप्रदता को प्रभावित कर रही है।' एसोसिएशन ने यह भी मांग की कि प्रमुख फसल पोषक तत्व यूरिया को पीएंडके उर्वरकों की तर्ज पर पोषक तत्व-आधारित सब्सिडी (एनबीएस) योजना के तहत लाया जाना चाहिए।

पोटाश पर कम सब्सिडी

एसोसिएशन का तर्क है कि इससे यूरिया और पीएंडके उर्वरकों के एमआरपी (अधिकतम खुदरा मूल्य) में असमानताओं को ठीक करने में मदद मिलेगी। कृष्णन ने म्यूरेट ऑफ पोटाश (एमओपी) पर कम सब्सिडी होने पर भी चिंता व्यक्त की, जिसके परिणामस्वरूप मिट्टी का यह पोषक तत्व डीएपी से महंगा हो गया है और इस तरह इसकी खपत कम हो गई है। एमओपी की खपत में लगातार गिरावट आई है।

उत्पादन तीन करोड़ टन होने की उम्मीद

भारतीय उर्वरक क्षेत्र में प्रगति पर प्रकाश डालते हुए कृष्णन ने कहा कि इस वित्त वर्ष में यूरिया उत्पादन पिछले वर्ष के 2.85 करोड़ टन से बढ़कर तीन करोड़ टन होने की उम्मीद है। उन्होंने उम्मीद जताई कि अगले कुछ वर्षों में घरेलू उत्पादन में वृद्धि के साथ देश आत्मनिर्भर हो जाएगा।

सोना 1,050 रुपए लुढ़का चांदी भी 1,700 रुपए फिसली

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

वैश्विक बाजारों में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में कमजोर रुख के कारण राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में मंगलवार को सोने की कीमत अपने सर्वकालिक उच्च स्तर से 1,050 रुपये लुढ़क कर 63,250 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गयी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। पिछले कारोबारी सत्र के अंत में सोने की कीमत 63,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पर रही थी। चांदी की कीमत भी 1,700 रुपये लुढ़ककर 78,500 रुपये प्रति किलोग्राम रह गयी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, 'विदेशी बाजारों में नरमी के रुख के बाद मंगलवार को दिल्ली के बाजारों में सोने की कीमतों में 1,050 रुपये की गिरावट आई और यह 63,250 रुपये प्रति 10 ग्राम पर रही।'

- सोना लुढ़क कर 63,250 रुपए प्रति 10 ग्राम पर
- चांदी भी लुढ़कर कर 78,500 रुपए प्रति किलोग्राम

सोना रिकॉर्ड स्तर से नीचे आया

वैश्विक बाजारों में सोना गिरावट के साथ 2,037 डॉलर प्रति औंस रह गया जबकि चांदी की कीमत भी घटकर 24.50 डॉलर प्रति औंस रह गयी। गांधी ने कहा कि डॉलर और अमेरिकी बांड प्रतिफल बढ़ने के संकेतों के बीच सोना अपने रिकॉर्ड उच्च स्तर से नीचे आया।

एमसीएक्स के वायदा कारोबार में सोने का फरवरी अनुबंध का भाव 46 रुपये चढ़कर 62,415 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। हालांकि, एक्सचेंज में चांदी का मार्च अनुबंध का भाव 389 रुपये गिरकर 75,779 रुपये प्रति किलोग्राम रहा।

एसयूवी की बढ़ती मांग सड़क सुरक्षा के लिए बनी खतरा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

वाहन उद्योग द्वारा बड़े और भारी स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहन (एसयूवी) बेचने की लगातार कोशिश सड़क सुरक्षा के साथ-साथ पर्यावरणीय चुनौती भी है और सरकार को इन बड़े वाहनों की बिक्री को हतोत्साहित करना चाहिए। ग्लोबल न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम (ग्लोबल एनसीएपी) के एक शीर्ष अधिकारी ने मंगलवार को यह बात कही। इंस्टिट्यूट ऑफ रोड ट्रैफिक एजुकेशन (आईआरटीई) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में ग्लोबल एनसीएपी के कार्यकारी अध्यक्ष डेविड वार्ड ने कहा कि भारत सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में सड़क सुरक्षा बढ़ाने के लिए अधिकतम कदम उठाए हैं, जिसमें जीएनसीएपी के साथ साझेदारी के साथ भारत एनसीएपी का विकास भी शामिल है। वार्ड ने कहा, 'बड़े और भारी एसयूवी की बिक्री सड़क सुरक्षा के लिए बुरी खबर है। विशेष रूप से यह छोटे, अधिक (ईंधन) कुशल वाहन चलाने वालों और जोखिम वाली सड़कों का इस्तेमाल करने वालों की दृष्टि से और खराब है।' वार्ड के अनुसार, इससे कुछ जोखिम वाले सड़कों पर वाहन में सवार लोगों के लिए घातक चोटों का खतरा बढ़ जाता है क्योंकि उनसे टकराने वाले वाहन की बोनट की ऊंचाई बढ़ जाती है।

- ग्लोबल एनसीएपी की मांग सरकार बिक्री हतोत्साहित करे

हाल के वर्षों में कारें शक्तिशाली हुई

वार्ड ने कहा, 'भारत और अन्य देशों में एसयूवी की बढ़ती वृद्धि और मांग- एक बड़ी सड़क सुरक्षा और पर्यावरण चुनौती है, सरकारों को इन बड़े वाहनों की बिक्री को हतोत्साहित करना चाहिए।' उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में कारें भारी, लंबी और अधिक शक्तिशाली हो गई हैं।

ऊंचे बोनट से टकराने का जोखिम

उदाहरण के लिए, किसी पैदल यात्री या साइकिल चालक को 90 सेमी ऊंचे बोनट वाली कार से टक्कर लगने पर 10 सेमी ऊंचे बोनट वाले वाहन से टकराने की तुलना में घातक चोट लगने का जोखिम 30 प्रतिशत अधिक होता है।

सेंसेक्स 69,000 अंक के पार, निफ्टी का भी नया रिकॉर्ड

एजेंसी ⏭ मुंबई

स्थानीय शेयर बाजारों में तेजी मंगलवार को लगातार छठे कारोबारी सत्र में भी जारी रही और बीएसई सेंसेक्स 431 अंक उछलकर नये रिकार्ड स्तर पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी अबतक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। बिजली, बैंक समेत अन्य क्षेत्र की कंपनियों के शेयरों में लिवाली से बाजार में तेजी आई। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 431.02 अंक की बढ़त के साथ नये रिकॉर्ड स्तर 69,296.14 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 168.50 अंक यानी 0.81 प्रतिशत की तेजी के साथ अबतक के उच्चतम स्तर 20,855.30 अंक पर बंद हुआ। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण मंगलवार को 2.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक बढ़कर 346 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया। विश्लेषकों ने कहा कि पिछले सप्ताह जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) और अन्य महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़ों के बेहतर रहने से जो सकारात्मक धारणा बनी थी। तीन राज्यों...मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के नतीजों से देश में राजनीतिक स्थिरता की उम्मीद बढ़ी है। साथ ही, निवेशक यह उम्मीद कर रहे हैं कि भारतीय रिजर्व बैंक द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में नीतिगत दर को यथावत रखेगा।

- शेयर बाजार में लगातार छठे दिन उछाल

बाजार मूल्यांकन 346.47 लाख करोड़ रुपए

बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) मंगलवार को सामूहिक रूप से 346.47 लाख करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया। विदेशी संस्थागत निवेशकों के सतत पूंजी प्रवाह के बीच सेंसेक्स और निफ्टी मंगलवार को नए उच्चस्तर पर पहुंचे।

एवीजी लॉजिस्टिक्स को रेलवे से मिला 150 करोड़ का ठेका

नई दिल्ली। एवीजी लॉजिस्टिक्स लिमिटेड को भारतीय रेलवे से पार्सल कार्गो एक्सप्रेस ट्रेन (पीसीईटी) के पट्टे के लिए 150 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। बेंगलुरु को पंजाब के लुधियाना से जोड़ने वाली यह विशेष ट्रेन अगले छह वर्षों में हर हफ्ते एक चक्कर पूरा करेगी। यह 72 घंटे में यात्रा पूरी करेगी। कंपनी द्वारा शेयर बाजार को दी जानकारी में एवीजी लॉजिस्टिक्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) संजय गुप्ता ने कहा, 'इस ठेके से 150 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित करने से न केवल हमारे राजस्व में वृद्धि होगी। बल्कि ऐसी कई महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को शुरू करने तथा हमारे वित्त प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए हमें प्रेरणा भी मिलेगी।'

रहेजा ग्रुप के प्रीमियम प्लॉटिंग प्रोजेक्ट 'रहेजा निर्वाणा-2' की लांचिंग 8 दिसंबर से शुरू

रायपुर। रियल एस्टेट सेक्टर की अग्रणी व विश्वसनीय रहेजा ग्रुप के प्रीमियम प्लॉटिंग प्रोजेक्ट रहेजा निर्वाणा-2 की लॉन्चिंग 8 से 10 दिसंबर तक कचना में हैं। तीन दिन के स्पाट बुकिंग मेला में हर बुकिंग पर निश्चित उपहार मिलेगा। 23 एकड़ के सर्वसुविधायुक्त इस प्रोजेक्ट में चार अलग-अलग साइज के प्लाट उपलब्ध कराए जा रहे हैं। शहर के शोर-शराबे से दूर हरियाली व पर्यावरण के अनुकूल इस प्रोजेक्ट में सुकून भरा वातावरण मिलेगा। रहेजा ग्रुप के डायरेक्टर दीपक रहेजा व संजय रहेजा ने बताया कि हमने रहेजा निर्वाणा 2021 में लॉन्च किया था और आज 2023 में वह पूरी हो चुकी है, सारे डेवलपमेंट पूर्ण करने के बाद समय से पहले यह प्रोजेक्ट बेहतर सुविधाओं के साथ पूरा हो गया है। लोगों की डिमांड पर ही हम कचना में रहेजा निर्वाणा -2 लॉन्च कर रहे हैं। यह भी प्रीमियम प्लाटिंग प्रोजेक्ट है जिसमें 1000,1200,1500 व 2000 की साइज में प्लाट उपलब्ध होंगे। कुल 23 एकड़ का यह प्रोजेक्ट अपनी सुविधाओं, लेआउट और लोकेशन को देखते हुए काफी पसंद किया जा रहा है। इसकी कनेक्टिविटी मुख्य बाजार, शैक्षणिक संस्थान, हॉस्पिटल से काफी समीप है।

- स्पाट बुकिंग पर मिलेगा निश्चित उपहार

सभी प्रीमियम सुविधाएं उपलब्ध : रहेजा निर्वाणा-2 में प्रीमियम प्रोजेक्ट की सभी सुविधाएं जैसे क्लब हाउस, लाइब्रेरी, कैफे, स्वीमिंग पूल, जकूजी, जिम, लान टेनिस, स्कैवेश कोर्ट, गार्डन, चिल्ड्रन प्ले एरिया, इनडोर आउटडोर गेम्स, मंदिर इत्यादि उपलब्ध होंगे। उन्होंने आगे कहा रहेजा निर्वाणा-2 रेरा, टाउन एंड कंट्री अप्रूव्ड प्रोजेक्ट है। जिसमें पूरी तरह से कव्हर्ड कैम्पस हैं जहां 24 घंटे सुरक्षा रहेगी।

ज्यादातर कंपनियों ने कंपनी लॉ के तहत खुद को सरेंडर किया

देश में बंद हो गईं 1 लाख से ज्यादा कंपनियां, 1168 हुईं दिवालिया

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

देश से पिछले 5 साल में एक लाख से भी ज्यादा कंपनियां कम हो गई हैं। इनमें से ज्यादातर कंपनियों ने कंपनी लॉ के तहत खुद को सरेंडर किया है। केंद्र सरकार के मुताबिक, इस दौरान कई कंपनियों ने दिवालिया होने की प्रक्रिया भी शुरू की। वित्त वर्ष 2018-19 से 2023-24 तक 1,06,561 कंपनियां किसी न किसी कारण से बंद हो गई हैं, इन्होंने कारोबार बंद करने के लिए कंपनीज एक्ट, 2013 का इस्तेमाल किया। केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने बताया कि पिछले पांच सालों में 1168 कंपनियां दिवालिया हो गईं। इनमें से 633 को दिवालिया घोषित कर दिया गया है बाकी मामलों में प्रक्रिया जारी है। कंपनियां बंद होने में ज्यादातर मामलों में 6 से 8 महीने लगे और कुछ मामलों में यह वक्त 12 से 18 महीने तक पहुंच गया। कंपनी बनाने और खत्म करने की प्रक्रिया में तेजी लाने के सभी प्रयास चल रहे हैं।

- सबसे ज्यादा कंपनियां तमिलनाडु में बंद हुई थीं

5 साल में 7946 विदेशी कंपनियां भारत आईं

उधर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक जवाब में बताया कि पिछले पांच साल में 7946 विदेशी कंपनियों ने भारत में अपनी सब्सिडियरी स्थापित की है। इससे स्पष्ट होता है कि भारत में व्यापार अवसर बढ़े हैं और विदेशी निवेशक देश में निवेश के लिए उत्सुक हैं।

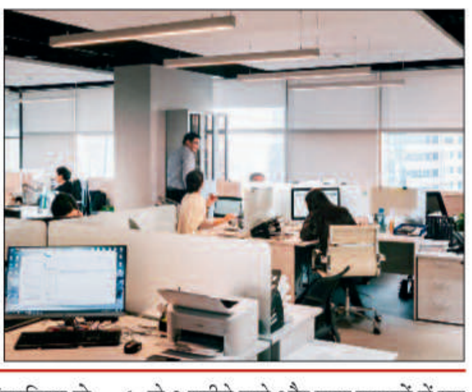

कोविड-19 के बाद बढ़ा था आंकड़ा

कोविड-19 के बाद पूरी दुनिया मंदी की चपेट में आई थी। कंपनियों को इस महामारी से अरबों रुपए का नुकसान हुआ। इसके चलते उन्हें अपने दरवाजे बंद करने पड़े थे। कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने 2021 में बताया था कि अप्रैल, 2020 से जून, 2021 के दौरान कुल 16,527 कंपनियों को बंद कर दिया गया है। सबसे ज्यादा कंपनियां तमिलनाडु में बंद हुई थीं। इसका असर हर राज्य में काम कर रही कंपनियों पर दिखाई दिया था। साथ ही घाटे में चल रही 19 सरकारी कंपनियों को भी बंद कर दिया गया था।

कब हटाई जाती हैं कंपनियां

जानकारों के अनुसार, कंपनी को नियमों का पालन न करने की वजह से सरकार के ऑफिशियल रिकॉर्ड से हटाया जाता है। यदि कोई कंपनी 2 साल तक व्यापार न करे और न ही कारोबार शुरू करने के लिए अप्लाई करे तो रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज द्वारा इसे बंद किया जा सकता है।

एसआरयू रायपुर और अर्का जैन विश्वविद्यालय के बीच एमओयू

रायपुर। श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय रायपुर और अर्का जैन विश्वविद्यालय झारखंड के बीच कक्षाओं, संकाय, कार्यक्रम के वर्चुअल आदान-प्रदान के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इसके साथ ही दोनों विश्वविद्यालयों द्वारा संकाय सदस्यों, शोध विद्वानों और छात्रों के लिए आयोजित स्पीकर कार्यशालाओं, सेमिनारों, सतत शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए एक-दूसरे के साथ समन्वय किया गया। समझौता ज्ञापन के तहत, दोनों विश्वविद्यालय के छात्रों को संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं के लिए शामिल करने के लिए सहमती हुई जिसमें चयनित एम.फार्मा/यू.जी. छात्रों को दोनों विश्वविद्यालयों के आभासी मार्गदर्शन में अपनी शोध परियोजनाओं को आगे बढ़ाने का अवसर मिलेगा। श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. सौरभ के. शर्मा और अर्का जैन विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार अमित कुमार श्रीवास्तव ने अधिकृत गरिमा के तहत एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

आईपीएल 2024 ऑक्शन : इन खिलाड़ियों पर लग सकती है 10 करोड़ की बोली !

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आईपीएल 2024 ऑक्शन की तारीख 19 दिसंबर और स्थान दुबई है। हालांकि अभी इस तारीख के आने में वक्त है, लेकिन इससे पहले ही खिलाड़ियों की धुकधुकी बढ़ी होगी। खासतौर पर उन खिलाड़ियों की जिनका बेस प्राइज दो करोड़ रुपए है। कई बार टीमें ज्यादा बेस प्राइज वाले खिलाड़ी को खरीदने में दिलचस्पी नहीं लेती, जब तक कि वो खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन करने के लिए न जाना जाता हो। खिलाड़ी अगर दमदार है तो टीमें दो करोड़ तो क्या कितनी भी कीमत अदा करने के लिए तैयार रहती हैं। इस बीच इस बार कई सारे ऐसे खिलाड़ी हैं, जो दो करोड़ बेस प्राइज में आए हैं। उनमें से कुछ ऐसे खिलाड़ियों की बात करते हैं, जिन्हें टीमें दस करोड़ तक में खरीदने में परहेज शायद न करें।

ट्रेविस हेड पर लग सकता है बड़ा दांव

बात चाहे वनडे वर्ल्ड कप 2023 के सेमीफाइनल की करें या फिर फाइनल की। टीम इंडिया को खिताब जीतने से रोकने वाला एक ही खिलाड़ी रहा, जिसे हम ट्रेविस हेड के रूप में जानते हैं। इससे पहले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भी उन्होंने टीम इंडिया के खिलाफ शतक जड़ा था और भारतीय टीम की उम्मीदों पर पानी फेर दिया था। ऑस्ट्रेलिया के लिए विश्व कप 2023 फाइनल के हीरो ट्रैविस हेड एक आक्रामक सलामी बल्लेबाज हैं। वे न केवल ओपनिंग में बल्कि तीसरे और चौथे स्थान पर भी अच्छा खेल सकते हैं। जो टीमें एक विस्फोटक सलामी बल्लेबाज की तलाश में हैं, वे उन्हें पाने के लिए ऊंची और लंबी बोली लगा सकती हैं।

रचिन रवींद्र पर भी टीमें दिल खोलकर खर्च कर सकती हैं पैसे

न्यूजीलैंड के युवा स्टार खिलाड़ी रचिन रवींद्र ने पिछले कुछ महीनों में ही विश्व क्रिकेट पर अपनी छाप छोड़ी है। रचिन रवींद्र ने आईसीसी वर्ल्ड कप 2023 में अपनी टीम न्यूजीलैंड के लिए काफी उम्दा प्रदर्शन किया है। करीब 24 साल के रचिन रवींद्र ने 578 रन बनाए और आईपीएल फ्रेंचाइजियों का ध्यान अपनी ओर खींचा। रचिन अच्छी गेंदबाजी और बल्लेबाजी करते हैं। जब उनका नाम पुकारा जाएगा तो ये तय है कि तीन चार से ज्यादा टीमें उन्हें अपने पाले में लाने के लिए हरसंभव कोशिश करेंगी।

आईपीएल नीलामी 2024 के लिए दो करोड़ बेस प्राइज वाले खिलाड़ी

हर्षल पटेल, शार्दुल ठाकुर, उमेश यादव, केदार जाधव, मुजीब उर रहमान, सीन एबॉट, पैट कमिंस, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, मिशेल स्टार्क, स्टीव स्मिथ, मुस्तफिजुर रहमान, टॉम बैंटन, हैरी ब्रूक, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, आदिल रशीद, डेविड विली, क्रिस वोक्स, लॉकी फर्ग्यूसन, गेराल्ड कोएत्जी, रिले रोसौव, रासी वैन डेर डुसेन, एंजेलो मैथ्यूज।

खबर संक्षेप

बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में अश्विनी तनीषा 28वें स्थान पर

नई दिल्ली। भारतीय महिला युगल टीम अश्विनी पोनप्पा और तनीषा क्रास्टो ताजा बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में चार पायदान चढकर 28वें स्थान पर पहुंच गई। 36 वर्ष की अश्विनी और 20 वर्ष की तनीषा ने इस साल जनवरी में ही साथ खेलना शुरू किया था । दोनों रविवार को सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 टूर्नामेंट में उपविजेता रहीं थी। दोनों ने नेट्स इंटरनेशनल चैलेंज और अबु धाबी मास्टर्स सुपर 100 भी जीता था। सैयद मोदी टूर्नामेंट में पुरुष एकल सेमीफाइनल में पहुंचे प्रियांशु राजावत भी एक पायदान के फायदे से शीर्ष 30 में पहुंच गए। एचएस प्रणय आठवें, पीवी सिंधू 12वें, लक्ष्य सेन 17वें और किदाम्बी श्रीकांत 24वें स्थान पर हैं। सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी दूसरे स्थान पर हैं। वहीं त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद 19वें स्थान पर हैं ।

14 शहरों में होंगे कोपा अमेरिका फुटबॉल टूर्नामेंट

CONMEBOL COPA AMERICA USA 2024

अटलांटा। अमेरिका के 14 शहरों में अगले साल कोपा अमेरिका फुटबॉल टूर्नामेंट खेला जायेगा और सेमीफाइनल न्यूजर्सी तथा चार्लोट में खेले जायेंगे। मेजबान अमेरिका को ग्रुप सी में रखा गया है और वह 23 जून को एरलिंगटन, टैक्सास में पहला मैच खेलेगा। क्वार्टर फाइनल चार, पांच और छह जुलाई को क्रमशः ह्यूस्टन, टैक्सास, एरिजोना और लास वेगास में खेले जाएंगे । टूर्नामेंट के ड्रॉ बृहस्पतिवार को मियामी में निकाले जाएंगे। मौजूदा कोपा अमेरिका और विश्व कप चैम्पियन लियोनेल मेस्सी की अर्जेंटीना को ग्रुप ए में रखा गया है ।

अमेरिका में 24 दिसंबर को होगा भारत-पाकिस्तान का मैच

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान मैच का इंतजार क्रिकेट फैंस हमेशा बेसब्री से करते हैं। इन दोनों देशों के खिलाड़ियों के बीच जल्द ही एक और मैच फैंस को देखने को मिलने वाला है। ये मैच अमेरिका में खेला जाएगा। इस मैच की तारीख और वेन्यू का ऐलान किया जा चुका है। ये मैच 24 दिसंबर को ह्यूस्टन के मूसा क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। अमेरिका में 19 से 31 दिसंबर तक होने वाले अमेरिकी प्रीमियर लीग टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के दूसरे सीजन के शेड्यूल का ऐलान हो गया है। इस टूर्नामेंट के भारत-पाकिस्तान के खिलाड़ी भी आमने-सामने होंगे। इस लीग में कुल सात टीमें हैं। इनमें से एक प्रीमियम इंडियंस और एक प्रीमियम पाक है। इनके अलावा 5 टीमें प्रीमियम अफगान, प्रीमियम अमेरिकंस, प्रीमियम ऑसिस, प्रीमियम कनाडियंस और प्रीमियम विंडीज हैं।

महिला टी20 सीरीज : इंग्लैंड के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करने उतरेगी भारतीय टीम

एजेंसी ▶▶| मुंबई

भारतीय महिला क्रिकेट टीम पिछले कुछ अर्से के अच्छे प्रदर्शन से प्रेरणा लेकर इंग्लैंड के खिलाफ द्विपक्षीय रिकॉर्ड बेहतर करने के इरादे से बुधवार से शुरू हो रही तीन मैचों की टी20 श्रृंखला में उतरेगी। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारत ने टी20 प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन किया है। एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के अलावा भारत ने बांग्लादेश में 2.1 से जीत दर्ज की और दक्षिण अफ्रीका तथा वेस्टइंडीज के खिलाफ त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में पहुंची। दूसरी ओर दुनिया की दूसरे नंबर की टीम इंग्लैंड श्रीलंका से 1 . 2 से मिली पराजय को भुलाकर नए सिरे से शुरूआत करने उतरेगी। दुनिया की चौथे नंबर की टीम भारत का इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टी20 श्रृंखलाओं में रिकॉर्ड खराब रहा है।

मेजबान टीम इसे दुरुस्त करने के इरादे से उतरेगी। इंग्लैंड के खिलाफ भारत में नौ मैचों में से भारत ने सिर्फ दो जीते हैं । आखिरी जीत पांच साल पहले मार्च 2018 में मिली थी जब ब्रेबोर्न स्टेडियम पर आठ विकेट से इंग्लैंड को हराया था। इंग्लैंड के खिलाफ अब तक कुल 27 मैचों में से भारत ने सिर्फ सात जीते हैं। भारतीय महिला टीम ने आखिरी बार अपनी सरजमीं पर टी20 मैच मार्च 2021 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लखनऊ में जीता था। उसके बाद से भारत अपने देश में चार मैच हार चुका है और एक टाई रहा। भारत ने घरेलू 50 टी20 मैचों में से सिर्फ 19 जीते हैं, 30 हारे और एक टाई रहा।

पिछले टी20 विश्व कप में सेमीफाइनल में जगह बनाई थी

भारत और इंग्लैंड दोनों ने पिछले टी20 विश्व कप में सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। अगला टूर्नामेंट सितंबर अक्टूबर 2024 में होना है और उसकी तैयारी का यह सुनहरा मौका है। दीप्ति शर्मा ने भारत के लिए 16 मैचों में 19 विकेट लिये हैं जबकि बल्लेबाजी में हरमनप्रीत ने 13 टी20 में 323 रन बनाए हैं । जेमिमा रौड्रिग्स ने 16 मैचों में 342 रन बनाए हैं जबकि स्मृति मंधाना ने 15 मैचों में सर्वाधिक 369 रन का योगदान दिया है। हरमनप्रीत ने बिग बैश लीग में 14 मैचों में 321 रन बनाए। भारत ने तीन नए चेहरों कर्नाटक की स्पिनर श्रेयांका पाटिल, पंजाब की स्पिनर मन्नत कश्यप और बंगाल की स्पिनर साइका इशाक को मौका दिया है। कश्यप इस साल की शुरूआत में आईसीसी अंडर 19 महिला टी20 कप में टीम का हिस्सा थी, जबकि इशाक ने पहली महिला प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस के लिये 15 विकेट लिए।

संभावित टीमें

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, जेमिमा रौड्रिग्स, शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, यस्तिका भाटिया, रिचा घोष, अमनजोत कौर, श्रेयांका पाटिल, मन्नत कश्यप, साइका इशाक, रेणुका सिंह ठाकुर, टिटास साधू, पूजा वस्त्राकर, कनिका आहूजा, मिन्नू मनी।

इंग्लैंड : लौरेन बेल, माइया बूचियेर, एलिस कैप्सी, चार्ली डीन, सोफिया डंकली, सोफी एक्सेलेटन, माहिका गौर, डेनियेले गिब्सन, सारा ग्लेन, बेस हीथ, एमी जोंस, फ्रेया केम्प, हीथर नाइट, नेट स्किवेर बंट, डेनियेले वियाट ।

पायल, निशा और आकांक्षा ने जीता गोल्ड मेडल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

जूनियर विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप

युवा मुक्केबाज पायल, निशा और आकांक्षा ने दबदबे वाला प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीते, जिससे भारत ने आर्मेनिया के येरेवान में आईबीए जूनियर विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अपने अभियान का अंत 17 पदक के साथ किया।

भारतीय दल ने प्रतियोगिता में तीन स्वर्ण, नौ रजत और पांच कांस्य पदक जीते। भारतीय महिला टीम प्रतियोगिता में संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रही। पायल ने भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया जब उन्होंने लड़कियों के 48 किग्रा फाइनल में स्थानीय दावेदार पेत्रोस्यां हेगाइन को सर्वसम्मत फैसले में शिकस्त दी। एशियाई युवा चैंपियन निशा और आकांक्षा ने भी इसके बाद अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए स्वर्ण पदक जीते। निशा (52 किग्रा) ने ताजिकिस्तान की अब्दुलाओवा फरिनोज जबकि आकांक्षा (70 किग्रा) ने रूस की तेइमाजोवा एलिजावेता को 5-0 के समान अंतर से हराया। अंतिम दिन चुनौती पेश कर रही तीन अन्य भारतीय महिला मुक्केबाजों विनी (57 किग्रा), सृष्टि (63 किग्रा) और मेघा (80 किग्रा) को फाइनल में शिकस्त के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

पुरुष वर्ग में साहिल (75 किग्रा) और हेमंत (80 किग्रा से अधिक) ने अपने फाइनल मुकाबलों में 0-5 के समान अंतर से शिकस्त के साथ रजत पदक जीते। जतिन (54 किग्रा) को भी कजाखस्तान के तुलेबेक नुरासिल के खिलाफ 1-4 से शिकस्त झेलनी पड़ी। कुल मिलाकर भारत के 12 मुक्केबाजों ने फाइनल में जगह बनाई, जो इस बार के टूर्नामेंट में सभी देशों के बीच सर्वाधिक संख्या है।

जूनियर हॉकी विश्व कप

अरिजीत की हैट्रिक से भारत ने कोरिया को 4-2 से हराया

एजेंसी ▶▶| कुआलालंपुर

अरिजीत सिंह हुंदल की हैट्रिक की मदद से भारत ने मंगलवार को यहां दक्षिण कोरिया को 4-2 से हराकर एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की।

अरिजीत ने 11वें, 16वें और 41वें मिनट में गोल किए। भारत की तरफ से एक अन्य गोल अमनदीप ने 30वें मिनट में किया। दक्षिण कोरिया की तरफ से दोह्युन लिम (38वें) और मिंकवोन किम (45वें) ने गोल किए। भुवनेश्वर में 2021 में खेले गए विश्व कप में कांस्य पदक के मैच में फ्रांस से हारने वाले भारत ने कोरिया पर शुरू से ही दबाव बनाए रखा। अरिजीत ने पहले क्वार्टर में ही पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलकर भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई। भारत ने इसके बाद भी दबदबा बनाए रखा। अरिजीत और अमनदीप ने दूसरे क्वार्टर में मैदानी गोल किए, जिससे भारत मध्यांतर तक 3-0 से आगे था।

भारत का अगला मैच स्पेन के खिलाफ

दक्षिण कोरिया ने तीसरे क्वार्टर में लिम के गोल से वापसी करने की कोशिश की लेकिन भारत की तरफ से अरिजीत ने तुरंत ही चौथा गोल करके अपनी हैट्रिक भी पूरी की। भारत 4-1 की बढ़त हासिल करने के बाद थोड़ा ढीला पड़ गया, जिसका फायदा उठाकर किम ने गोल दाग दिया। दक्षिण कोरिया हालांकि इससे हार का अंतर ही कम कर पाया। भारत पूल सी में अपना अगला मैच स्पेन के खिलाफ खेलेगा। इस ग्रुप की चौथी टीम कनाडा है। भारत ने इससे पहले 2001 और 2016 में खिताब जीता था जबकि 1997 में वह उपविजेता रहा था।

जूनियर महिला हॉकी विश्व कप: भारत ने पेनल्टी शूट आउट में न्यूजीलैंड को हराया

सेंटियागो। भारत ने जूनियर महिला हॉकी विश्व कप के नौवें से 16वें स्थान के क्लासीफिकेशन मुकाबले में सडन डेथ पेनल्टी शूट आउट में न्यूजीलैंड को हरा दिया। निर्धारित समय के बाद दोनों टीम 3-3 से बराबर थीं। नियमित 60 मिनट के खेल के दौरान रोपनी कुमार (आठवें मिनट), ज्योति छेत्री (17वें मिनट) और सुनेलिता टोप्पो (53वें मिनट) ने भारत के लिए गोल दागे। न्यूजीलैंड की तरफ से इसाबेला स्टोरी (11वें मिनट), मेडलाइन हैरिस (14वें मिनट) और रियाना फो (49वें मिनट) ने गोल किए। पेनल्टी शूट आउट में भारत ने 3-2 से जीत दर्ज की। भारत के लिए साक्षी राणा और प्रीति ने गोल किए जबकि मुमताज खान ने सडन डेथ में गोल किया। न्यूजीलैंड की ओर से पेनल्टी शूट आउट में हना कोटेर और रियाना फो ने गोल किए। भारत गुरुवार को नौवें से 12वें स्थान के क्लासीफिकेशन मुकाबले में दक्षिण कोरिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेगा।

ट्रैप निशानेबाजी के राष्ट्रीय ट्रायल में राजेश्वरी का दबदबा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पेरिस ओलंपिक की कोटा धारक राजेश्वरी कुमारी ने मंगलवार को महिला ट्रैप में राष्ट्रीय चयन ट्रायल एक जीता जबकि विवान कपूर ने पुरुष वर्ग में खिताब अपने नाम किया।

दोनों फाइनल के चैंपियन का फैसला शूट ऑफ में हुआ। भारत की नंबर एक महिला ट्रैप निशानेबाज राजेश्वरी कर्णी सिंह निशानेबाजी रेंज में तीन दिन चले क्वालीफिकेशन दौर में 118 अंक के साथ शीर्ष पर रहीं। दिल्ली की किशोरी भव्या त्रिपाठी 114 अंक के साथ पांचवें स्थान पर रहते हुए छह निशानेबाजों के फाइनल में जगह बनाने में सफल रही। फाइनल में वह राजेश्वरी के साथ 43 निशाने लगाकर संयुक्त रूप से शीर्ष पर रहीं। शूट ऑफ में हालांकि भव्या पहले ही निशाने में चूक गई और राजेश्वरी ने सटीक निशाना लगाते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहली टेस्ट श्रृंखला जीतने उतरेगा बांग्लादेश

मीरपुर। बांग्लादेश की टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार से शुरू हो रहे दूसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट में उतरेगी तो उसकी नजरें मेहमान टीम के खिलाफ पहली टेस्ट श्रृंखला जीतने पर होंगी। मेजबान टीम के मुख्य कोच चंडिका हथुरुसिंघा ने साथ ही अपने खिलाड़ियों को आत्ममुग्धता से बचने के प्रति चेताया। बांग्लादेश ने सिलहट में पहला टेस्ट 150 रन से जीता और अब उसकी नजरें न्यूजीलैंड के खिलाफ एतिहासिक टेस्ट श्रृंखला जीतने पर टिकी हैं। बांग्लादेश ने दो टेस्ट मैच की श्रृंखला में शीर्ष टीमों के बीच अब तक सिर्फ जिंबाब्वे और वेस्टइंडीज के खिलाफ ही श्रृंखला जीती है। सिलहट टेस्ट में जीत बांग्लादेश की न्यूजीलैंड के खिलाफ 18 मैच में सिर्फ दूसरी जीत है। टीम की जीत में दूसरी पारी में कप्तान नजमुल हुसैन शंटो के शतक की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

खुजराहो में इन पांच खूबसूरत जगहों की जरूर करें सैर, जिंदगी भर याद रखेंगे ये एक्सपीरियंस

अनन्या मिश्रा

भारत के मध्य प्रदेश राज्य के छतरपुर जिले में स्थित खुजराहो एक बेहद शानदार शहर है। यह शहर अपने प्राचीन मंदिरों के लिए जाना जाता है। खुजराहो के मंदिरों के आर्टवर्क से लेकर आर्किटेक्चर तक सब कुछ पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित करने का काम करता है। देश के मध्यकालीन हिंदू और जैन मंदिरों का सबसे बड़ा समूह भी आपको खुजराहो में देखने को मिलेगा। इसके अलावा सात अजूबों में से एक अजूबा खुजराहो में भी है।

ऐसे में जब लोग खुजराहो घूमने के लिए जाते हैं, तो यहां स्थित मंदिरों को जरुर देखना चाहते हैं। यहां के मंदिरों में आकर आपको एक अलग तरह का अनुभव होगा। मंदिरों के अलावा भी खुजराहो में घूमने के लिए कई जगहे हैं। ऐसे में अगर आप भी खुजराहो घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि खुजराहो में आप किन चीजों का एक्सपीरियंस ले सकते हैं।

साउंड और लाइट शो

खुजराहो जाने के दौरान आप साउंड और लाइट शो का आनंद लेना न भूलें। यह रात के समय करने लायक चीजों में से एक है पश्चिमी मंदिर ग्रुप द्वारा आयोजित किया जाता है। साउंड और लाइट शो के माध्यम से विभिन्न ऐतिहासिक और धार्मिक तथ्यों के अलावा वहां की संस्कृतियों का चित्रण किया जाता है। इस शो को देखने के बाद आप इसे कभी भूल नहीं सकते हैं। यह शो अंग्रेजी और हिंदी दोनों में आयोजित किया जाता है। इस शो के माध्यम से पर्यटकों को मंदिर की नक्काशी, कला और आकर्षक कहानियों के बारे में जानकारी मिलती है।

पन्ना नेशनल पार्क

इसके अलावा आपको यहां पर पन्ना नेशनल पार्क भी जरूर घूमना चाहिए। पन्ना नेशनल पार्क को इस राज्य का 5वां और देश का 22वां टाइगर रिजर्व कहा जाता है। यहां पर आपको सियार, लंगूर, जंगली सूअर, चिंकारा और चीता सहित अन्य वन्यजीव प्रजातियों को देखने का मौका मिलेगा। इसके साथ ही जंगल सफारी का आनंद लेते हुए वाइल्ड लाइफ को करीब से एक्सपीरियंस कर सकते हैं। आप चाहें तो जंगल कॉटेज में भी रह सकते हैं।

अजयगढ़ किला

अगर आपको ऐतिहासिक चीजों में रुचि है, तो आप अजयगढ़ किला भी घूम सकते हैं। यह किला खुजराहो से 80 किमी दूर एक खूबसूरत पहाड़ी पर 688 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। इस किले को चंदेल राजाओं के किले के तौर पर जाना जाता था। कहते हैं कि उनके शासनकाल में चंदेल राजाओं का गढ़, किलों ने अहम भूमिका निभाई थी।

स्टेट म्यूजियम ऑफ ट्राइबल एंड फोक आर्ट

खजुराहो में चंदेला कल्चरल कॉम्पलैक्स में स्थित स्टेट म्यूजियम ऑफ ट्राइबल एंड फोक आर्ट में बेहतरीन प्राचीन अवशेष और कलाकृतियां मौजूद हैं। इस म्यूजियम में आप कारीगरों के शानदार ट्राइबल वर्क को देख सकते हैं। यहां पर आपको कई संस्कृतियों, परंपराओं और कलाकृतियों और धर्मों के अवशेषों के बारे में जान सकते हैं। यहां पर आकर आपको एक अलग एक्सपीरियंस होगा।

पांडव वॉटरफॉल

जब आप पन्ना नेशनल पार्क घूमने के लिए जाएं, तो इसके पीछे 30 मीटर की ऊंचाई से पांडव वॉटरफॉल गिरता है। इस वॉटरफॉल का पानी नीचे एक तालाब में गिरता है। बताया जाता है कि इस झरने के नीचे से पांडव होकर गुजरे थे। जिस कारण इसे पांडव वॉटरफॉल कहा जाता है। आपको यहां एक बार जरूर आना चाहिए।

लोक नाट्य

राम्हदय तिवारी

अंचल के उद्गार की अभिव्यक्ति मैं छत्तीसगढ़ महतारी हूं

छत्तीसगढ़ महतारी हूं...इस लोक नाट्य में दर्शित है- परिस्थितियों का रोना लो लिए-पर आंसू ही तुम्हारी नियति नहीं है। अह साहस और स्वाभिमान समय की नहीं,तुम्हारी महतारी की मांग है। उस छत्तीसगढ़ महतारी की जिसके माथे पर आज नई राजललना का ताज है। नए राज्य की श्रृंगार है, नया गंत्वय, नई मंजिल, तुम्हारे सामने हैं। अब मुझे तुम्हारी पूजा नहीं पराक्रम चाहिए। महिमा का गान नहीं, जागरण का शंखनाद चाहिए, मेरे मासूम बेटो, सदा याद रखो। तब से अब तक बहुत कुछ बदल गया, युग बदला, युग के तेवर बदले, मेरा रूप बदला रंग भी बदल गया, यदि नहीं बदला तो मेरी माटी की सोंधी सौगंध। मेरे अंतस का मकरंद, मेरी सहिष्णुता, मेरी उदारता, मेरी आत्मीयता, यह ही तो मेरी धड़कनें हैं, मेरे प्राण हैं। मेरी वास्तविक पहचान हैं, मेरी भारत मां की जिसकी मैं राज दुलारी हूं...तुम्हारी छत्तीसगढ़ महतारी हूं। दर्शकों का अच्छा प्रतिसाद मिला इस लोकनाट्य को।

पुस्तक समीक्षा

छत्तीसगढ़ का संक्षिप्त परिचय

कृति के नाव
छत्तीसगढ़ का संक्षिप्त परिचय

कृतिकार
बाबू मावली प्रसाद श्रीवास्तव

प्रकाशक
पं. माधवराव सप्रे साहित्य शोध केन्द्र रायपुर

समीक्षक
कमल नारायण

मूल्य
अस्सी रूपए

छत्तीसगढ़ अंचल के फलते-फूलते संसार को अनेक साहित्यकार अपने तरीके से जन समक्ष लाते रहे हैं। बाबू मावली प्रसाद छत्तीसगढ़ से संबंधित अपने विचार को लेखन के माध्यम से सामने लाते रहे हैं। लेखकों के विचारों के अनुसार राज्य के विकास में कुछ खामियां तो कुछ अच्छाई का जिक्र होता रहता है। यहां कृतिकार ने भी अपने दृष्टिकोण से छत्तीसगढ़ महतारी के कोरे में समाए रहस्यों को जानने समझने के साथ कुछ समस्याओं को जन समक्ष रखने का प्रयास किया है। आपने अपनी इस पुस्तक में आंकड़े सहित निराकरण के उपाए भी बताए हैं। यह बात अलग है कि इनकी समस्याएं पर कितनी विचार की गई या की जाएगी, पर पाठकों को छत्तीसगढ़ के अनेक अनछुए पहलुओं के बारे में जानने और समझने का अच्छा अवसर इस पुस्तक के माध्यम से मिलना तय है।

पृथ्वीदेव के शासनकाल जगपाल ने न केवल सम्हरगढ़ (वर्तमान सारंगढ़) भ्रमरवद्र (वर्तमान बस्तर)पर विजय प्राप्त की, अपितु उसने कांतार कुसुमभोग, कांदाडोंगर (विन्द्रागनवागढ़ तहसील के ग्राम) आदि परगनों को भी हैहय राजाओं के अधीनस्थ कर दिया। उधर काकरथ(कांकेर) एवं सिहावा(मचका सिहावा) के परगनों को भी जगतपाल ने जीत लिया। सिंदूर मांग सिंदूर गिरि(वर्तमान रामटेक) एवं रायगढ़ के मेराठ, तेरम, तमनाल के मांडलिकों को भी जगपाल ने परास्त कर हैहयों के अधीन कर दिया। जगपाल पुर (वर्तमान दुर्ग) का नव निर्माण किया।

कालांतर में जगपालपुर का नाम हुआ दुर्ग

छत्तीसगढ़ में दुर्ग नाम का एक प्राचीन जिला है। पृथ्वीदेव के शासनकाल जगपाल ने न केवल सम्हरगढ़ (वर्तमान सारंगढ़) भ्रमरवद्र (वर्तमान बस्तर)पर विजय प्राप्त की, अपितु उसने कांतार कुसुमभोग, कांदाडोंगर (विन्द्रागनवागढ़ तहसील के ग्राम) आदि परगनों को भी हैहय राजाओं के अधीनस्थ कर दिया। उधर काकरथ(कांकेर) एवं सिहावा(मचका सिहावा) के परगनों को भी जगतपाल ने जीत लिया। सिंदूर मांग सिंदूर गिरि(वर्तमान रामटेक) एवं रायगढ़ के मेराठ, तेरम, तमनाल के मांडलिकों को भी जगपाल ने परास्त कर हैहयों के अधीन कर दिया। जगपाल पुर (वर्तमान दुर्ग) का नव निर्माण किया। कालांतर में जगपालपुर का नाम दुर्ग हो गया, क्योंकि वहां पर शिव दुर्ग नामक एक किला था। जगतपाल ने अपनी राजधानी जगपालपुर(वर्तमान दुर्ग) को बनाया था तथा वहीं से यह रतनपुर के हैहय राजाओं के नियंत्रण में वह उनके लिए राज्य विस्तार करता था। लोक कथा में जगपाल का जो उल्लेख हुआ है, वे यही जगपाल हैं जिन्होंने मंदिर के भीतर शिलालेख खुदवाया है। जगपाल ने राजीव लोचन की मंदिर के शिलालेख में जो हैहय राजाओं के राज्य विस्तार का वर्णन किया है, उसकी पुष्टि अन्यत्र पाए गए शिलालेखों से होती है।

गांव की कहानी : सुमनेश वत्स

अनेक उपलब्धियां समाहित हैं फिंगेश्वर गर्भ में

ऐतिहासिक : वीरेन्द्र बहादुर सिंह

गरियाबंद जिले के फिंगेश्वर का प्रथम राजा कचना ध्रुवा बहुत ही शूरवीर और पराक्रमी था। आसपास के छोटे छोटे इलाकों को युद्ध में जीतकर उसने अपने राज्य का विस्तार किया। युद्ध करते हुए राजा नगरी-सिहावा होते धमतरी तक जा पहुंचा। धमतरी के गढ़पति की स्थिति पराजित होने की थी, अतः धमतरी के प्रधान ने अपनी कुल देवी बिलई माता से प्रार्थना की, कि वे इस युद्ध में उसे विजयी बनाएं। कचना धुरवा को अपने कुल देवता का वरदान था, जिसमें उसकी मृत्यु का रहस्य छुपा था, जिसके कारण कचना धुरवा की मृत्यु आसान नहीं थी। अतः देवी ने मानवीय रूप धारण कर कचना धुरवा को सम्मोहित किया। रात्रि में विश्राम के समय मदहोशी की स्थिति में कचना धुरवा से देवी ने उनकी मृत्यु का रहस्य पूछा। देवी के आकर्षण में आकर उसने अपनी मृत्यु का रहस्य बताया, कि यदि मेरा सिर काट कर धड़ से दूर किसी गडढे में फेंक दिया जाए तो उसकी मृत्यु हो सकती है। उसे जब होश आया तो मानव रूपधारिणी देवी पर नाराज हुआ और उन्हें मारने का प्रयास किया, जिसके कारण बिलई माता का मुंह टेढ़ा हो गया। कहा जाता है कि क्रोध के कारण नियमानुसार कचना धुरवा मारा गया। इसके साथ ही फिंगेश्वर में 250 वर्ष निर्मित मंदिर में स्थापित मावली माता सबकी मनोकामना पूरी करती हैं। यह अंचल का बड़ा व्यापारिक केन्द्र भी है।

चिंहारी

राजेश पाण्डे

दुर्लभ वस्तुओं का संग्रह निजी संग्रहालय में

छत्तीसगढ़ के धर्म नगरी मल्हार में मंदिरों के अतिरिक्त 2 निजी संग्रहालय दर्शकों के लिए 24 घंटे खुला रहता है, जो कि निःशुल्क है। यहां प्रवेश करने से देखने पर यह संग्रहालय सामान्य घर जैसा प्रतीत होता है, लेकिन जैसे ही अंदर प्रवेश करते हैं तो दुर्लभ वस्तुओं का संग्रह आश्चर्यचकित करने वाला होता है। यहां लौह पत्र, ताम्र पत्र, प्राचीनकालीन सिक्के, शिलालेख, मूर्तियां तथा अन्य कई दुर्लभ मूर्तियों, सिक्कों तथा पांडुलिपियों का संग्रह है। इस संग्रहालय का निर्माण अपने आवास में राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक रघुनंदन प्रसाद पाण्डेय कराया था। आपने मल्हार पर कई पुस्तकों का लेखन भी किया है। इसी तरह का एक और संग्रहालय ठाकुर गुलाब सिंह ने यहां निर्मित की है। ठाकुर गुलाब सिंह धार्मिक और आध्यात्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति होने तथा दुर्लभ वस्तुओं के संग्रहण में उनकी गहरी रूचि होने के कारण संग्रहालय निर्माण कराया है। इस संग्रहालय में भी दुर्लभ वस्तुओं का संग्रह देखी जा सकती है। यहां के लोगों का मानना है कि यदि कोई पर्यटक मल्हार भ्रमण करने आते हैं और दोनों संग्रहालयों को देखे बिना चले जाते हैं तो उनका मल्हार भ्रमण अधूरा माना जाता है।

सुरता

गंगा प्रसाद गुप्त

जूझने वाले साहित्यकार रहे हरि ठाकुर

छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले में 1927 हरि ठाकुर का जन्म हुआ था। हरि ठाकुर का भाव संसार विविध वर्णी और व्यापक है। जीवन और युग के प्रभावों से संपृक्त उनके गीतों में प्रेम, श्रृंगार, प्रकृति, करूणा, संयोग, वियोग, सामाजिक विषमता, वेदना, लोक जीवन के अनेक रंग और

सुख-दुख, क्रांति, आक्रोश क्षोभ आदि सब कुछ है। नए स्वर जहां नई कविता के समानांतर चलते हैं वही लोहे का नगर की रचनाएं प्रगतिशीलता का बोध कराती हैं। गीतों के शिलालेख में उनके श्रेष्ठ गीत संकलित हैं जो छायावाद की छाया से पूरी तरह उबर तो नहीं पाए, पर उनमें उस प्रभाव को तोड़ने का प्रयास बराबर परिलक्षित होता है। गीतों के शिलालेख लोहे का नगर, पौरूष नए संदर्भ जैसी हिन्दी कविताएं- गीत जय छत्तीसगढ़ तथा सुरता के चंदन जैसे छत्तीसगढ़ी काव्य संकलन उनकी समर्थ काव्य प्रतिभा के प्रमाण हैं। लोहे के नगर में यदि अव्यवस्थाओं को तोड़ने का फौलादी संकल्प हैं तो गीतों के शिलालेख में कल्पना की दुनिया में कुछ स्वानुभूत स्मृतियों को प्राण प्रदान करने की रोमांटिक प्रवृत्ति। एक ओर आक्रोश दूसरी ओर भावुक कवि के लयबद्ध गीत-

मैंने जिन गीतों को अपने प्राणों के कुंदन में बांधी,
उनमें फूल महकतेऔर दहकते कुछ अंगारे भी हैं।

लोक साहित्य

डा. यशेश्वरी ध्रुव

समृद्ध है छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य

छत्तीसगढ़ी साहित्य या कथा साहित्य जिसे शिष्ट साहित्य या कथा साहित्य कहा जाता है, आधुनिकता की ही आहट है, लेकिन इसमें प्राचीनता, लोककथा की प्रेरणा से प्रस्तुत हो सकती है। कई लोग भ्रमवश छत्तीसगढ़ी साहित्य या कथा साहित्य को लोकभाषा में रचित होने के कारण लोक साहित्य या लोक कथा मान लेते हैं जो त्रुटिपूर्ण है। इनमें भी संस्कृति सुवासित है।

छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य या लोक कथा प्राचीनता को प्रस्तुत करके भी आधुनिकता से अलग नहीं है। इसी तरह छत्तीसगढ़ी साहित्य या कथा साहित्य जिसे शिष्ट साहित्य या कथा साहित्य कहा जाता है, आधुनिकता की ही आहट है, लेकिन इसमें प्राचीनता, लोककथा की प्रेरणा से प्रस्तुत हो सकती है। कई लोग भ्रमवश छत्तीसगढ़ी साहित्य या कथा साहित्य को लोकभाषा में रचित होने के कारण लोक साहित्य या लोक कथा मान लेते हैं जो त्रुटिपूर्ण है। इनमें भी संस्कृति सुवासित है। यहां आदि मानव के प्रादुर्भाव की सूचनाओं के साथ प्रागैतिहासिक रामायण-महाभारत काल से लेकर अद्यावधि अनेक धर्म, कला, साहित्य ज्ञान आदि का वैभव है। यदि भारत वर्ष धर्म निरपेक्ष है तो छत्तीसगढ़ उसका आंचलिक संस्करण। आर्य, निषाद, व द्रविड़ संस्कृति समन्वित यह अंचल विराट समंवय और सह अस्तित्व के उदाहरण को प्रस्तुत करता है। यहां सभी धर्मों, संप्रदायों व मत-मतांतरों के लोग प्रेम व सद्भाव के वातावरण में रहते हैं। यहां के साहित्य में संस्कृति के तत्व विस्तीर्ण हैं, वहीं लिखित परंपरा के साहित्य में भी समावेशित होते हैं।

बाबासाहेब ने भारत को सशक्त राष्ट्र बनाने की दिशा में कार्य किया: कुलसचिव

अंबेडकर के व्यक्तित्व से करोड़ों लोगों के जीवन में आया परिवर्तन: प्रो. राजीव कुमार, बाबा साहेब के शोधपत्र के आधार पर आरबीआई की गाइडलाइन बनी: प्रो. पाथर्डीकर, बाबा साहेब के परिनिर्वाण दिवस पर पूर्वांचल विश्वविद्यालय में हुई संगोष्ठी

प्रखर जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में बुधवार को महान समाजसेवी एवं कानूनविद बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के 67 वें महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर प्रशासनिक भवन परिसर में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर विश्वविद्यालय परिवार के लोगों ने कुलसचिव महेंद्र कुमार और प्रो. बीबी तिवारी के साथ पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्य अतिथि प्रो. राजीव कुमार ने कहा कि बाबा साहब ऐसे व्यक्तित्व थे जिन्होंने करोड़ों लोगों के जीवन में परिवर्तन लाया। उन्होंने अर्थव्यवस्था के बुनियादी ढांचा में जो परिवर्तन लाया उसके परिणाम अब दिखाई दे रहे हैं। मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. अविनाश पाथर्डीकर ने कहा कि उनके शोध पत्र के आधार पर आरबीआई और वित्त आयोग की गाइडलाइन बनीं। उन्होंने सर्वसमाज के लिए काम किया था। उन्होंने सर्वसमाज के विकास एवं देश की अर्थव्यवस्था को दिशा प्रदान करने के लिए आधार प्रदान किया। विशिष्ट अतिथि परीक्षा नियंत्रक वीएन सिंह ने कहा कि उन्होंने संविधान में हर वर्ग का ख्याल रखें। बाबा साहब के ज्ञान का कोई सानी नहीं था। देश के सर्वांगीण विकास में उनका विशेष योगदान रहा। संगोष्ठी में अध्यक्षता करते हुए कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि सकारात्मक नजरिया से ही समाज को एकजुट रखा जा सकता है। उनके द्वारा निर्मित संविधान में पूरे भारत का प्रतिबिम्ब दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि वह समस्याओं के देखें थे समाधान भी उन्होंने अच्छा निकाला इसलिए मतभेद होने के बाद भी उन्हें संविधान सभा की प्रारूप समिति का चेयरमैन बनाया गया। उन्होंने वोट का अधिकार दिलाकर समाज में एकता पैदा की। भारत को सशक्त और मजबूत राष्ट्र बनाने की दिशा में कार्य किया। इस अवसर पर उप कुलसचिव अमृतलाल, परीक्षा नियंत्रक वीएन सिंह, अजीत सिंह, बबिता सिंह, प्रो रामनारायण, प्रो. देवराज सिंह, डॉ मनोज मिश्र, डॉ राजकुमार, डॉ सुनील कुमार, सुशील कुमार, राजेश कुमार, रमेश यादव, राजनारायण सिंह, राजेश सिंह , संतोष मौर्य, हेमंत श्रीवास्तव, बृजेश सोनकर, श्याम श्रीवास्तव, मैलाश आदि उपस्थित थे।

शासकीय धन का दुरुपयोग करने पर दो प्रधानों का खाता सीज

प्रखर महराजगंज। बृजमनगंज क्षेत्र के ग्राम प्रधान कैलाश प्रसाद व मिठौरा क्षेत्र के विश्वनाथपुर पडवनिया के ग्राम प्रधान कन्हैया पर ग्राम पंचायत में विकास के नाम पर सरकारी धन दुरुपयोग करने की शिकायत पर जांच के बाद जिलाधिकारी द्वारा दोनों के वित्तीय एवं प्रशासनिक शक्तियों को सीज कर दिया है।सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार प्राप्त शिकायत के आधार पर बृजमनगंज क्षेत्र के मटिहनवा ग्राम सभा के वर्तमान प्रधान कैलाश प्रसाद द्वारा चारागाह की सरकारी जमीन पर उनके पुत्र के नाम आवास बनाकर कब्जा करने का कार्य किया गया है तथा मिठौरा क्षेत्र के ग्राम सभा विश्वनाथपुर पडवनिया के ग्राम प्रधान कन्हैया द्वारा नाली मरम्मत के नाम पर सरकारी धन निकालने का कार्य किया गया है।जांच मे दोनों ही ग्राम प्रधान दोषी पाए गए हैं। दोनों ही मामले में अंतिम जांच के लिए जिलाधिकारी महाराजगंज द्वारा टीम गठित की गई है। जिलाधिकारी ने कहा कि अंतिम जांच में दोषमुक्त होने तक दोनों प्रधानों के वित्तीय एवं प्रशासनिक पावर चीज रहेगा।

सुधाकर महिला कालेज में रक्तदान शिविर का आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। सुधाकर महिला शिक्षण संस्थान समूह में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में श्री शिव प्रसाद गुप्त मंडलीय जिला चिकित्सालय वाराणसी और एच०डी० एफ०सी० बैंक के द्वारा संयुक्त रूप से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया इस अवसर पर प्राचार्य डॉ० प्रभु नारायण दूबे ने कहा कि रक्तदान, महादान होता है क्योंकि रक्तदान से बेहतर कोई विकल्प ही नहीं` शिक्षाविद व समन्वयक डॉ. अशोक कुमार पाण्डेय ने कहा कि रक्तदान एक नेक और पुनित कार्य है। क्योंकि आप भी किसी के जीवन का एक जरिया बन सकते है निदेशक आशीर्वाद दूबे ने कहा कि आपातकाल में रक्तदान ही किसी व्यक्ति की जीवन की रक्षा करता है जबकि श्री शिव प्रसाद गुप्त चिकित्सालय से विकास सिंह और हिमांशु सिंह ने रक्तदान में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया` राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मनोरमा तिवारी, डॉ० शालिनी मिश्रा, डॉ. पूजा सिंह ने अपने अपने स्वयंसेवी छात्राओं का रक्तदान के लिए उत्साहवर्धन किया जबकि महाविद्यालय की ओर से वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ० मंजु त्रिपाठी, डॉ० श्याम सुंदर मिश्रा, डॉ० राजकुमार श्रीवास्तव, डॉ. संतोष ओझा, डॉ० अनीस उपाध्याय आदि समस्त प्रवक्ताओं ने अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया जबकि समन्यवक डॉ.अशोक कुमार पाण्डेय ने अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ देकर किया।

सीवर ट्रीटमेंट प्लांट ने ले ली मजदूर की जान

प्रखर जौनपुर। नगर पालिका क्षेत्र में पिछले करीब चार वर्षो से सीवर ट्रीटमेंट प्लांट के तहत चल रहे पाइप लाइन बिछाने के कार्य में आज एक मजदूर की जान चली गयी। करीब तीन घंटे के कड़ी मशकत के बाद जेसीबी के माध्यम से मजदूर का शव निकाला गया। इस हादसे के बाद इस कार्य में लगे मजदूरो में हड़कंप मच गया। सीवर ट्रीटमेंट प्लांट के तहत चल रहे पाइप लाइन बिछाने के कार्य में आज नगर कोतवाली थाना क्षेत्र के अहमद खा मण्डी मोहल्ले में चल रहा था। इस कार्य में गाजियाबाद जनपद का रिजवान नामक मजदूर पाइप लाइन बिछाने के लिए गड्ढा बना रहा था इसी बीच खोदे गये गड्ढे में गिर गया। मजदूर के गड्ढे में गिरने से हड़कंप मच गया। उस समय रास्ते से गुजर रहे प्राथमिक शिक्षक राकेश सिंह ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस प्रशासन को दिया सूचना मिलने के थोड़ी देर बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर जेसीबी के माध्यम से मजदूर को

निकालने का प्रयास किया। करीब तीन घंटे की कड़ी मशकत के बाद मजदूर का शव बाहर निकाला गया। राकेश सिंह ने बताया कि सीवर लाइन बिछाने में घोर लापरवाही बरती जा रही थी रात में मोबाइल का टार्च जलाकर कार्य किया जाता है मैने कई बार इन लोगो को आगह भी किया था इसके बावजूद ठेकेदार द्वारा कोई इंतजाम नही किया जिसके कारण यह हादसा हो गया। हादसे के बाद से मोर्चा सम्भाले एसपी सिटी ब्रजेश कुमार पूरे घटनाक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि मृतक मजदूर गाजियाबाद जनपद का रिजवान अहमद है। गहराई अधिक होने के कारण रेस्क्यू आपरेशन में देर हुई है। सीवर लाइन बिछाने के कार्य में शुरू से ही राहगीरो व मजदूरो की सुरक्षा लेकर कार्यदायी संस्था पर लापरवाही बरतने का आरोप लगता रहा है लेकिन इस तरफ न तो कार्यदायी संस्था ने ध्यान दिया न तो जिला प्रशासन ने नोटिस किया जिसके कारण आज एक मजदूर की जान चली गयी।

भैरव अष्टमी: केक काट मनाया गया श्री उन्मत्त भैरव का जन्मदिन, हर हर महादेव के नारे से गूंज उठी काशी

प्रखर वाराणसी। मार्गशीर्ष मास के कृष्ण पक्ष के अष्टमी तिथि को देशभर में भैरव अष्टमी के रूप में मनाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि आज के ही दिन कालभैरव का जन्म हुआ था। धर्म की नगरी काशी के पंचकोसी परिक्रमा मार्ग पर स्थित श्री उन्मत्त भैरव मंदिर में इस खास दिन को धूमधाम से मनाया गया।महादेव की नगरी काशी में भगवान शंकर के बाल स्वरूप श्री उन्मत्त भैरव का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। काशी के अलग-अलग भैरव मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की भीड़ लगी रही। शाम होने के साथ ही काशी के कोतवाल कहे जाने वाले श्री उन्मत्त भैरव के दरबार में केक काटकर बाबा के जन्मदिन का उत्सव मनाया गया। फल मेवे से बने इस खास केक को खास थीम पर तैयार किया गया था। श्री उन्मत्त भैरव के दरबार में केक काट भक्तों ने बाबा से प्रार्थना की। मंदिर से जुड़ी चंद्रकला अम्मा ने बताया कि प्रतिवर्ष हम लोग धूमधाम से श्री उन्मत्त भैरव बाबा का जन्मदिन मनाते चले आ रहे हैं। इस बार भी धूमधाम से बाबा का जन्मदिन मनाया गया। मार्गशीर्ष के अष्टमी तिथि को मनाई जाती है भैरव अष्टमी! मार्गशीर्ष मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को देशभर में भैरव अष्टमी के रूप में मनाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि इसी दिन भगवान शंकर का कालभैरव स्वरूप में जन्म हुआ था। यही वजह है कि आज के दिन काशी के काल भैरव मंदिर सहित अन्य भैरव मंदिरों में उनका जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाता है। कहे जाते हैं काशी के कोतवाल! काल भैरव को काशी का कोतवाल कहा जाता है। ऐसी मान्यता है कि काशी में मरने वाले मनुष्यों को यमराज नहीं बल्कि काल भैरव उन्हें उनके कर्मों की सजा देते हैं। यही वजह है कि काशी में उनके दर्शन को भक्तों की भारी भीड़ होती है। इस अवसर पर क्षेत्र के सभी लोग मौजूद रहे और बाबा की आरती कर सभी लोगों ने हर हर महादेव नारे लगाए।

बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर गोष्ठी आयोजित

प्रखर जौनपुर। समाजवादी पार्टी कार्यालय पर बुधवार को निवर्तमान जिलाअध्यक्ष डां अवधनाथ पाल के अध्ययता में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर गोष्ठी आयोजित कर मनाया गया सर्व प्रथम उपस्थित लोगों ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के चित्र पर ने पुष्प अर्पित किया वहीं डां अवधनाथ पाल ने गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए कहा बाबा साहब के एक ऐसे महान पूरूष थें जिसनें देश में एक ऐसा संविधान दिया जिससे पूरा देश चल रहा है जब देश में दलित पिछड़े समाज पर सबसे ज्यादा प्रताड़ित होते थें उस समय उनके जीवन में कोई आश जगाया वह बाबा साहब थें वह हमेशा शिक्षा को बल दिऐ वह कहते थें शिक्षा वह ताकत है जो आपको अपने हक अधिकार को जानने और उसका उपयोग करने का काम करेगा अगर आप शिक्षित नहीं रहोगे तो संविधान मे जो अधिकार दिया गया है उसका उपयोग नहीं कर सकते हो जो लोग आपको गुलाब बना कर रखें है वो कभी भी आपको शिक्षित नहीं होने देगे।

वरिष्ठ ने दीपचंद राम ने कहा बाबा साहब ने देश में जो संविधान बनाया है उसे भाजपा सरकार खत्म कर रही हैं भाजपा एक ऐसी सरकार है जो संविधान को नहीं मानती है वो लगातार दलित पिछड़े वर्ग के हक अधिकार को खत्म कर रहा है आज बाबा साहब हमारे बीच में भले नहीं है लेकिन संविधान के रूप में वो ताकत दे कर गये है।जिससे हम अपने अधिकार का सही उपयोग करें और 2024 में देश में समाजवाद की सरकार बनाकर अपने हक अधिकार को पाईऐ नहीं तो भाजपा सरकार आपको गुलाम बना देगी । गोष्ठी में मुख्य रूप से राजेन्द्र टाइगर, हिरालाल विश्कर्मा, राहुल त्रिपाठी, इर्शाद मंसूरी, मेवालाल गौतम, अनील दूबे, अखिलेश यादव, भगौती सरोज, रामू मौर्या, अनवारुल गुड्डू, कमालुद्दीन अंसारी, आशीष गोठाव, कमाल आजमी, दीपक विश्कर्मा, धर्मेंद्र सोनकर, लक्ष्मी शंकर यादव, संचालन निर्वतमान महासचिव अखण्ड प्रताप यादव ने किया।

योग की अनंत यात्रा का सच्चा पथिक वही जिसमें विनम्रता : डॉ. कृष्ण मुरारी त्रिपाठी

प्रखर जौनपुर। योग प्रमाणन बोर्ड और आयुष मंत्रालय भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त योग संस्थान योग धमार्पुर में योग व्याख्यानमाला का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय योग केंद्र के पूर्व डायरेक्टर प्रोफेसर डॉ. कृष्ण मुरारी त्रिपाठी बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ ज्ञान की अधिष्ठात्री माता सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलन से हुआ।

भौतिक के साथ स्वयं के भीतर आध्यात्मिक मिलन है योग– तत्पश्चात मुख्य अतिथि ने स्वास्थ्य, सदवृत्त और योगिक सिद्धांतों के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि योग भौतिक के साथ स्वयं के भीतर आध्यात्मिक मिलन ही नहीं, बल्कि योग एक अनंत यात्रा है, साधना की यात्रा है जिसमें विनम्रता होगी और क्षुद्रता का आभास होगा, वही इस अनंत यात्रा का सच्चा पथिक होगा।

स्वयं के साथ देश के विकास में योगदान दें युवा : डॉ. अशोक त्रिपाठी– कार्यक्रम में धमार्पुर योग संस्थान के डायरेक्टर डॉ. अशोक त्रिपाठी ने शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य से युक्त देश के प्रति समर्पण की भावना के साथ स्वयं के और देश के विकास के लिए सहभागी बनने का आह्वान किया। संस्थान के छात्राओं ने मुख्य अतिथि के स्वागत में गीत प्रस्तुत किया और विनय तिवारी ने माल्यार्पण कर सबका स्वागत किया। प्रशिक्षक इंद्रभान मौर्य ने अनुशासन के साथ योग सीखने पर बल दिया। डॉ. एके त्रिपाठी ने मुख्य अतिथि को अंगवस्त्रम प्रदान कर स्वागत किया।

योग की शिक्षा के लिए भारत की ओर निहार रहा विश्व : डॉ. मुकुल त्रिपाठी– संस्था के संस्थापक डॉ. मुकुल त्रिपाठी ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया और सबके प्रति आभार व्यक्त किया तथा छात्र-छात्राओं से योग के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेकर अपना भविष्य संवारने तथा रोजगार प्राप्त करने हेतु आह्वान किया। डॉ. त्रिपाठी ने बताया कि आज विश्व योग की शिक्षा के लिए भारत की ओर निहार रहा है। विश्व स्तर पर आज भारत के योग शिक्षकों की अत्यधिक मांग है। यही देखकर हमारे देश के दूरदर्शी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में आयुष मंत्रालय का गठन हुआ, जिससे आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्धा और होम्योपैथी का विकास हो रहा है। योग सर्टिफिकेशन बोर्ड नई दिल्ली इस दिशा में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है।

यूपी के सभी स्कूलों में योग शिक्षा को अनिवार्य करेगी योगी सरकार– उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार भी शीघ्र ही उत्तर प्रदेश के सभी स्कूलों में योग शिक्षा अनिवार्य करने जा रही है, तब अत्यधिक संख्या में योग शिक्षकों की आवश्यकता पड़ेगी। इसे ही ध्यान रखकर योग संस्थान का शुभारंभ किया गया है, ताकि युवा पीढ़ी के स्वास्थ्य के साथ बेरोजगारी को दूर करने में भी सहायक बन सके। कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षण ले रहे सभी योग वीरों ने योग के माध्यम से अपने और देश के विकास में सहायक होने के संकल्प के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

1051 किलो का देशी केक काटकर मनाया गया काशी के कोतवाल बाबा कालभैरव जन्मोत्सव

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। काशी के कोतवाल बाबा कालभैरव का वार्षिक जन्मोत्सव (भैरव अष्टमी) बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया` विगत कई वर्षों की भांती इस वर्ष भी बाबा का जन्मोत्सव शुद्ध देशी घी की मिठाइयों, फलों व पंचमेवा से निर्मित देशी केक को काटकर मनाया गया। यह विशाल केक एक आयताकार रूप में था जिसका आयाम 1 लाख 66 हजार घन ईंच था इस केक को रखने के लिए लगभग 28000 वर्ग ईंच के क्षेत्र का इस्तेमाल हुआ यह केक अब तक का भारत के इतिहास में सबसे विशाल केक था जो मन्दिर में चढ़ाया गया। इस केक को वर्ष 2023 की थीम जो 5 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था की प्रतीक्षा और मोदी जी की गारंटी पर आधारित था इस अद्वितीय प्रस्तुति के साथ सबने बाबा कालभैरव से हमारे देश की वृद्धि और सफलता के लिए आशीर्वाद प्राप्त किया। आयोजन समिति के प्रिंस गुप्ता (अदिष्ठाता प्रिन्स बेकर्स), पंकज चतुर्वेदी, संतोष दूबे, नवीन गिरी, सोनू, सुमित उपाध्याय,

अक्षय, संजय दूबे, मनोज यादव, शुभम, प्रितम, प्रकाश शर्मा, आलोक नादान, गुरू यादव, गदर मिश्रा, धर्मेन्द्र मिश्रा, अग्रवाल जी, सागर, आशीष गुप्ता के अनुसार विगत पिछले 21 वर्षों से आयोजन समिति व भक्तों के सहयोग से बाबा का जन्मोत्सव केक काटकर व पॉपकार्न व टाफियां बांटकर मनाया गया।

संक्षिप्त खबरें

विकसित भारत संकल्प यात्रा प्रदेश की जनता को जागरूक कर रहा

प्रखर चिरईगांव वाराणसी। विकसित भारत संकल्प यात्रा आज मुरीदपुर ग्रामसभा में आज हुई है। जिसमें भारत सरकार व प्रदेश सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुंचाना और उनकी जानकारी के लिए हर ग्रामसभा में यह कराई जा रही है। इसमें सभी विभाग के कर्मचारी तथा इनका सब लोगों मौजूद रहते हैं।जिस किसी गरीब जनता को आवास योजना आयुष्मान कार्ड राशन कार्ड स्वास्थ्य विभाग समाज कल्याण विभाग सभी लोग उपस्थित रहते हैं। जिसमें प्रमुख रूप खण्ड विकास अधिकारी रहते हैं।जिस किसीको कोई समस्या हो उसका निस्तारण किया जाता है।

भदवां में यूनियन बैंक द्वारा मेगा आउट रिच कैंप का आयोजन किया गया

प्रखर दानगंज वाराणसी। भदवा गांव में यूनियन बैंक के शाखा दानगंज द्वारा कैंप का आयोजन किया गया। यूनियन बैंक के मैनेजर दयानंद श्रीवास्तव द्वारा ग्रामीण किसानों को बताया गया कि अपना खुद का उद्योग स्थापित करने के लिए यूनियन बैंक द्वारा पूरा सहयोग किया जाएगा। ग्रामीण किसान यदि कोई पशु खरीदने में या अपना खुद का उद्योग स्थापित करने में इंटरेस्टेड हो तो उन्हें भी लोन प्रदान किया जाएगा। भदवा वह ढेरही के अमूल डेयरी यूनिट संचालकों से भी बात किया गया ग्रामीण किसान अपना दूध लाकर गांव की यूनिट पर दे और उन्हें दूध का सही मूल्य दिया जाएगा किसी भी प्रकार का दिक्कत होने पर अधिकारियों का नंबर भी अवगत कराया गया उनको फील्ड ऑफिसर ललित मोहन विश्वकर्मा बैंक मित्र उग्रसेन पांडे बैंक फैसिलिटी अनिल दिक्षित संतोष चौबे राहुल चौबे आशीष शर्मा आदि लोग उपस्थित रहे।

केआईटी का जबरदस्त प्रदर्शन, स्टेट टूनार्मेंट में जीते 5 गोल्ड

प्रखर वाराणसी। काशी इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी का अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी स्टेट टूनार्मेंट में 5 गोल्ड के साथ जबरदस्त प्रदर्शन काशी इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की टीम ने अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी स्टेट टूनार्मेंट में 5 गोल्ड के साथ प्रयागराज जॉन का सबसे अधिक गोल्ड लेने वाला कॉलेज बना यह गोल्ड 100 मी 200 मी लॉन्ग जंप में रिया सिंह के द्वारा गोल्ड मेडल प्राप्त किया गया और 400 मीटर 800 मीटर में कृष्णकांत के द्वारा गोल्ड मेडल प्राप्त किया गया कॉलेज के वाइस चेयरमैन श्री विपुल जैन द्वारा खिलाड़ियों को गोल्ड मेडल प्राप्त करने पर खिलाड़ियों को बधाई दिए और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की इस कड़ी में कॉलेज के डिप्टी डायरेक्टर एके यादव और डायरेक्टर फामेर्सी आशुतोष मिश्रा जी के द्वारा भी खिलाड़ियों को जीत की बधाई दी गई स्पोर्ट्स ऑफिसर अजय विक्रम सिंह के द्वारा खिलाड़ियों के अच्छे प्रदर्शन को देखते हुए सभी खिलाड़ियों को ढेर सारी शुभकामनाएं दी गई और उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

सरकारी व गैर सरकारी संस्थाओं में मनाया गया परिनिर्वाण दिवस

प्रखर पिंडरा वाराणसी। ग्रामीण क्षेत्र के विभिन्न सरकारी व गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा बुधवार को डॉ आंबेडकर का परिनिर्वाण दिवस मनाया गया। गजोखर में स्थापित डॉ भीमराव अंबेडकर के मूर्ति स्थल पर कांग्रेस पार्टी के जिला उपाध्यक्ष राजीव कुमार के नेतृत्व में उनके मूर्ति माल्यर्पण कर नमन किया। तहसील पिंडरा में एसडीएम पिंडरा, ब्लॉक मुख्यालय पर बीडीओ छोटेलाल तिवारी के नेतृत्व में मनाया गया। परिषदीय

विद्यालयों में भी छात्र छात्राओं के बीच परिनिर्वाण दिवस मनाया गया। क्षेत्र के पिंडरा, फूलपुर, मंगारी, जमापुर, सिंधोरा, खलिसपुर व थानारामपुर, अजईपुर व मंगारी स्थित प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक विद्यालयों में धूमधाम से परिनिर्वाण दिवस मनाया गया।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह'
द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस'
सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001
से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः
9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः
0548-2223833, +91-8858563779
+91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं